बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुख्य संवाददाता : इन्द्रजीत सिंह मो. 9582093548

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 20 ● अंक: 69 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 26 अक्तूबर 2021 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें
दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष
मो. 08750202102
E-mail : rmsdp@hotmail.com
अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

नीति आयोग के उपाध्यक्ष बोले- वित्त वर्ष में 10.5 फीसदी रह सकती है इकोनॉमी की ग्रोथ रेट

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने गुरुवार को कहा कि भारत की इकोनॉमी के चालू वित्त वर्ष में 10.5 फीसदी या उससे अधिक ग्रोथ रेट हासिल करने की उम्मीद है. उन्होंने पीएएफआई इंडियाके सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कहा कि रिटेल सेक्टर के आधुनिकीकरण पर खास जोर है. कुमार ने कहा, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस, दोनों के लिए इंडिया परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स में पिछले महीने काफी तेजी आई है. इससे भारत की इकोनॉमी और भी मजबूती आएगी. मुझे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की इकोनॉमी की ग्रोथ रेट 10.5 फीसदी या इससे अधिक रहेगी. चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान देश की इकोनॉमी में रिकॉर्ड 20.1 फीसदी की वृद्धि हुई. इसमें पिछले साल के कम आधार और कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में तेज वृद्धि का योगदान रहा. कुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा कि टू-व्हीलर वाहनों की बिक्री में गिरावट का कारण परंपरागत टू-व्हीलर वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक बाइक और स्कूटर की ओर लोगों का रुझान हो सकता है.

आरोपों पर बोले समीर वानखेड़े- दिवंगत मां को टार्गेट कर रहे, मुझे गिरफ्तारी का खतरा

एनसीबी अधिकारी समीर पर लटकी तलवार, भ्रष्टाचार के आरोपों के खिलाफ विजलेंस जांच

***मलिक का आरोप- समीर वानखेड़े का दाऊद नाम के साथ फर्जीवाड़ा, राउत का ट्वीट- वेट एंड वाच**

***आहत हूं! ट्विटर पर मेरी पारिवारिक गोपनीयता भंग की गई, मेरे पिता हिंदू हैं, मां मुस्लिम थी**

दिल्ली पहुंचे समीर वानखेड़े, बोले- किसी काम से आया हूं

मुंबई । क्रूज ड्रग्स केस की जांच कर रहे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने सोमवार को अपने ऊपर लगे आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है. वह जिस मामले की जांच कर रहे हैं, उसमें एक्टर शाहरुख खान के बेटा आर्यन खान भी ड्रग्स के मामले में जेल में बंद है. सोमवार को उन्होंने महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की ओर से लगाए गए आरोपों पर चुप्पी तोड़ी. समीर वानखेड़े ने मुंबई की एक कोर्ट में हलफनामा देकर कहा कि उन पर लगाए गए अपमानजनक आरोप न केवल झूठे थे, बल्कि भ्रामक, शरारती और दुर्भावनापूर्ण थे. उनका बयान तब आया है जब नवाब मलिक ने समीर वानखेड़े के जन्म से संबंधित एक दस्तावेज ट्विटर पर शेयर किया. उन्होंने उसके साथ लिखा, 'जालसाजी यहां से शुरू हुई.'

नवाब मलिक पर पलटवार

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा, 'मेरे निजी डॉक्यूमेंट मेरे अनुमति के बगैर सार्वजनिक किए गए महाराष्ट्र सरकार के एक मिनिस्टर के पिछले कुछ दिनों से लगातार मेरे ऊपर दबाव बनाने और मेरे खिलाफ भड़काऊ कमेंट करते हुए माहौल बना रहे हैं. इसकी वजह से मैं मेरी पत्नी, मेरे पिता, सब मानसिक और इमोशनल दबाव में हैं.' अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलासा करते हुए वानखेड़े ने कहा, 'मैंने शबाना कुरेशी से 2006 में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की और बाद में साल 2016 में कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए हम आपसी सहमति से अलग हुए. साल 2017 में मैंने क्रांति रेडकर से विवाह किया.'

'मेरी स्वर्गीय मां का अपमान किया जा रहा'

इसके साथ ही वानखेड़े ने कहा, 'मेरे परिवार और मेरी स्वर्गीय मां का अपमान किया जा रहा है. मेरा पक्ष जाने बगैर ही मिनिस्टर मेरे ऊपर आरोप लगा रहे हैं. पिता ध्यानदेव वानखेड़े स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट में इंस्पेक्टर थे. साल 2007 में रिटायर हुए. उनके पिता हिंदू और मां मुस्लिम थी. वो दो अलग कम्युनिटी से आते थे और उनकी मिली विरासत पर मुझे गर्व है.'नवाब मलिक शुरू से ही आर्यन खान के खिलाफ एनसीबी की कार्रवाई के आलोचक रहे हैं.

नवाब मलिक ने यह भी आरोप लगाया है कि समीर वानखेड़े लॉकडाउन के दौरान मालदीव में थे और वह एक जबरन वसूली रैकेट के तहत बॉलीवुड हस्तियों को निशाना बना रहे थे. नवाब मलिक के आरोपों का जवाब देते हुए समीर वानखेड़े ने कहा, 'वह केवल उस एक ही बात के बारे में सोच सकते थे, जब मंत्री से संबंधित समीर खान को एनडीपीएस एक्ट के तहत एक ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया गया था और तबसे ही मेरे और परिवार से व्यक्तिगत बदला लेने का यह सिलसिला शुरू हुआ है । उन्होंने कहा, 'मेरी दिवंगत मां को टार्गेट किया जा रहा है. मुझे गिरफ्तारी का खतरा है क्योंकि यह ईमानदार और निष्पक्ष जांच करने के लिए कुछ निहित स्वार्थों के अनुकूल नहीं है. मैं उन सभी चीजों का सामना करने के लिए तैयार हूं, जो कानून में हैं और स्पष्ट रूप से मेरी बेगुनाही को सामने लाएंगी.

यह अदालत निष्पक्ष जांच की पवित्रता को बनाए रखने और संरक्षित करने के लिए उचित आदेश पारित कर सकती है.'

रविवार को ड्रग्स केस के एक गवाह ने दावा किया था कि जांच एजेंसी ने उन्हें कोरे कागज पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा था और रुपये की मांग की थी. बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन को बरी करने के लिए 25 करोड़ की रिश्वत की मांग की गई थी. हालांकि इसे एनसीबी ने खारिज कर दिया था.

जम्मू-कश्मीर: पुलवामा का दौरा करेंगे अमित शाह, सीआरपीएफ कैंप में बिताएंगे रात

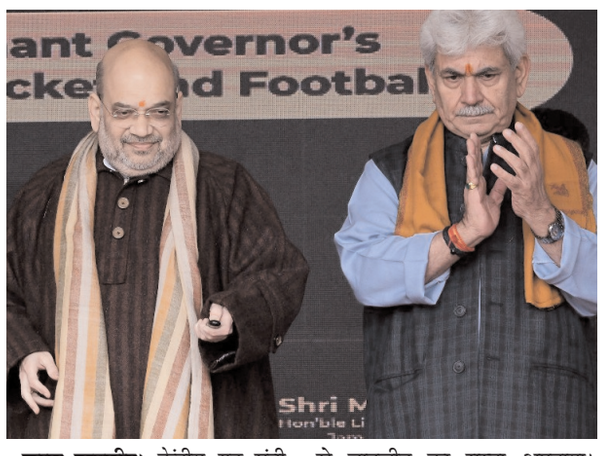

जम्मू-कश्मीर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर दौरे के तीसरे और आखिरी दिन श्रीनगर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित करने से पहले गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंच से बुलेट प्रूफ ग्लास की शील्ड को हटवा दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कश्मीरियों से बात करते हुए अपने दिल से खौफ और डर निकालने की बात कही। इसके लिए उन्होंने सर्वप्रथम मंच से बुलेट प्रूफ ग्लास की शील्ड हटा दी और फिर युवाओं से बातचीत का रास्ता अपनाया। उन्होंने कहा कि कश्मीर की शांति और विकास की यात्रा में अब कोई खलल नहीं डाल सकता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर हैं.

दौरे के पहले दिन से ही अमित शाह केंद्र शासित राज्य में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं. पहले दिन उन्होंने कई बड़े सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की और अब आज वो जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले लेथपोरा इलाके में पहुंचेंगे. शाह यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ कैंप का दौरा करेंगे. आधिकारिक जानकारी के अनुसार गृहमंत्री आज रात सेना के जवानों के साथ डिनर करेंगे और रात भी इसी कैंप में बिताएंगे. गौरतलब है कि गृह मंत्री 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार कश्मीर दौरे पर हैं. उनके दौरे को देखते हुए घाटी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. अमित शाह ने आज सोमवार को गांदरबल जिले के खीर भवानी दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना भी की. गृह मंत्री सीआरफीएफ कैंप में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे. शाह मंगलवार को दिल्ली वापस लौटेंगे. गृह मंत्री ने इससे पहले रविवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ जम्मू-कश्मीर के मकवाल सीमा पर स्थित कई इलाकों का दौरा भी किया. इस दौरान उन्होंने जवानों और नागरिकों से भी बात की. जम्मू में कश्मीरी पंडितों, गुर्जर-बकरवाल समुदाय, पहाड़ी समुदाय और जम्मू-कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडलों से भी मुलाकात की. उन्होंने जम्मू-कश्मीर में इस महीने आतंकवादी हमले में मारे गए शहीदों और नागरिकों के परिवारों से भी मुलाकात की.

इस बार दिल्ली धरना स्थल पर मनेगी किसानों की दीपावली- राकेश टिकैत

आगरा। ताजनगरी आगरा के जगदीशपुरा थाना के मालखाना से 25 लाख रुपये की चोरी के आरोपी सफाई कर्मचारी अरुण की मौत पर अभी राजनीति थम नहीं रही है. सोमवार को भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत आगरा पहुंचे. सबसे पहले वह आगरा के लोहामंडी स्थित मृतक अरुण के परिवार से मिले, और उनको सांत्वना दी. उसके बाद वह छीपीटोला पर स्थित अम्बेडकर सामुदायिक केंद्र में मीडिया से रूबरू हुए. आपको बता दें कि 16 अक्टूबर-2021 की रात जगदीशपुरा थाना परिसर के मालखाने से 25 लाख रुपये की चोरी हुई थी. जिसके बाद पुलिस ने आरोपी अरुण को गिरफ्तार किया था. अरुण के घर वालों का आरोप था कि पुलिस ने अरुण को मौत की नींद सुलाया है. उसके बाद इस घटना ने राजनीतिक मोड़ ले लिया. तमाम राजनीतिक पार्टियां अब तक अरुण के परिवार से मिलकर न्याय की बात कहती नजर आईं. इसी कड़ी में सोमवार को किसान नेता राकेश टिकैत भी अरुण के घर पहुंचे. मीडिया से रूबरू होने पर भाकियू नेता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार ने लखीमपुर खीरी की घटना बाद के मुआवजे की कीमत निर्धारित कर दी है. मौत की कीमत 40 लाख रुपये है. इसलिए सरकार को यही कीमत अरुण के परिवार को देनी चाहिए. साथ ही इस मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए और दोषियों को जल्द सजा दिलाई जाए. राकेश टिकैत ने कहा कि दिल्ली में धरना स्थल पर ही इस बार किसान दीपावली मनाएंगे. क्योंकि, सरकार हमारी मांग मान नहीं रही है. न ही कृषि कानून वापस नहीं ले रहे हैं. हमारा किसान आंदोलन संघर्ष से समाधान तक जारी रहेगा.

पीएम नरेंद्र मोदी ने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के सहारे विपक्ष पर साधा निशाना, बोले- गरीब को इलाज से रखा वंचित

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के मुद्दे पर कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जो भी पिछली सरकार थी उसने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर नहीं दिया.

वाराणसी । काशी के 28वें दौरे पर वाराणसी पहुंचे सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वांचल को 5200 करोड़ की विकास परियाजनाओं की सौगात दी. साथ ही कशी विश्वनाथ की पावन धरती से आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना की शुरुआत की.

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के मुद्दे पर कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जो भी पिछली सरकार थी उसने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर नहीं दिया. पिछले सात सालों में उनकी सरकार ने हेल्थ सेक्टर को सुधारने को लेकर कई कदम उठाए हैं, ताकि कोई भी गरीब इलाज के आभाव में दम न तोड़े. उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने गरीबों को इलाज से वंचित रखा और खुद की तिजोरी भरी. प्रधानमंत्री ने कहा, हमसे पहले जो सरकारे में रहे, उनके लिए स्वास्थ्य सेवा पैसा कमाने, घोटालों का जरिया रही है. गरीब की परेशानी देखकर भी, वो उनसे दूर भागते रहे. आयुष्मान भारत योजना ने 2 करोड़ से अधिक गरीबों का अस्पताल में मुफ्त इलाज भी करवाया है. इलाज से जुड़ी अनेक परेशानियों को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के जरिए हल किया जा रहा है. आज केंद्र और राज्य में वो सरकार है जो गरीब, दलित, शोषित-वंचित, पिछड़े, मध्यम वर्ग, सभी का दर्द समझती है. देश में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करने के लिए हम दिन-रात एक कर रहे हैं. वाराणसी में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा ÷आजादी के बाद देश में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए उतना ध्यान नहीं दिया गया जितनी जरूरत थी. देश में पहले जिनकी सरकारें थीं उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं से गांव व गरीब को वंचित रखा था. आज गांवों और शहरों में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर खोले जा रहे हैं, जहां बीमारियों को शुरुआत में ही डिटेक्ट करने की सुविधा होगी. इन सेंटरों में फ्री मेडिकल कंसलटेशन, फ्री टेस्ट, फ्री दवा जैसी सुविधाएं मिलेंगी. उन्होंने कहा , देश के 730 जिलों में इंट्रीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब्स और देश में चिन्हित 3500 हजार ब्लॉक में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट बनाई जाएंगी पिछली सरकारों ने काशी को बेहाल छोड़ दिया था. जितना काम बीते कुछ सालों में हुआ है, अगर पिछली सरकारों ने किया होता तो काशी की स्थिति ऐसी नहीं रहती, लेकिन उन्होंने तो काशी को उसके हाल पर छोड़ दिया था. पीएम मोदी ने कहा, गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए 600 से अधिक जिलों में क्रिटिकल केयर से जुड़े 35 हजार से ज्यादा नए बेड तैयार किए जाएंगे. गरीब और मिडिल क्लास में इलाज को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी. आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रा मिशन हेल्थ केयर सिस्टम ने पुरानी सरकारों मे रही कमी को पूरा करने के लिए एक समाधान का रास्ता दिया है. इस स्वास्थ्य योजना का दूसरा पहलू, रोगों की जांच के लिए टेस्टिंग नेटवर्क से जुड़ा है. इस मिशन के तहत, बीमारियों की जांच, उनकी निगरानी कैसे हो, इसके लिए ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जाएगा.

केंद्र सरकार पर बरसीं ममता बनर्जी

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सिलीगुड़ी में कहा कि पंजाब की ही तरह हम भी बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र का विरोध कर रहे हैं, जिसे हाल ही में बढ़ाया गया है। हमारे राज्य की सीमाएं पूरी तरह से शांत हैं। कानून व्यवस्था पुलिस का विषय है। इससे अशांति पैदा होगी। राज्य सरकार राज्य के कानूनों का पालन करेगी। आपको बता दें कि गृह मंत्रालय ने बीएसएफ को पंजाब, पश्चिम बंगाल और असम में अंतरराष्ट्रीय सीमा से मौजूदा 15 किमी की जगह 50 किमी के बड़े क्षेत्र में तलाशी लेने, जब्ती करने और गिरफ्तार करने की शक्ति दे दी है। वहीं, पाकिस्तान की सीमा से लगते गुजरात के क्षेत्रों में यह दायरा 80 किमी से घटाकर 50 किमी कर दिया गया है।

बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा, राज्यों ने नहीं किया भुगतान तो दोबारा हो सकता है कोयला संकट

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों से देश में जो कोयला संकट सामने आया था, वह काफी हद तक काबू में आ गया है। बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति लगातार बढ़ रही है और कोयले की कमी से किसी भी हिस्से में बिजली संकट की आशंका नहीं है। लेकिन अगर राज्यों ने समय पर कोयले की कीमत का भुगतान नहीं किया तो कोयला संकट फिर से पैदा हो सकता है।

यह बात बिजली मंत्री आरके सिंह ने मौजूदा संकट को सामने रखते हुए कही। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) को भी बिजली संयंत्रों को बकाये राशि का भुगतान करना होगा क्योंकि देश में बिजली मुफ्त में नहीं दी जा सकती। बिजली मंत्री ने कोयला संकट को जरूरत से ज्यादा तूल देने के लिए कुछ राज्यों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों ने जान-बूझकर कोयला संकट को एक बड़े मुद्दे के तौर पर प्रचारित किया लेकिन वैसी स्थिति नहीं थी। कुछ राज्यों के पास अपना कोल ब्लाक है लेकिन उसके खनन को लेकर वह उनका खनन नहीं कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि कई राज्यों पर कोयला कंपनियों का 16,000 करोड़ रुपये बकाया है। दूसरी तरफ कोयला कंपनियों को कई तरह के खर्चे उठाने पड़ते हैं। ऐसे में राज्यों की तरफ से भुगतान नहीं किए जाने से कई समस्याएं खड़ी होती हैं। बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) पर ही बिजली संयंत्रों का 75,000 करोड़ रुपये बकाया है। इसे बनाए नहीं रखा जा सकता है। हालांकि उन्होंने भरोसा दिलाया कि कोयला संकट खत्म हो चुका है और अभी ताप बिजली घरों के पास 81 लाख टन कोयला है। सरकारी एजेंसी सीईए के अनुसार 135 ताप बिजली घरों के पास 81 लाख टन कोयला है जो उनके लिए चार दिनों का स्टाक है। पिछले शनिवार को 62 प्लांट के पास चार दिनों से कम का कोयले का स्टाक था। अब सिर्फ 49 प्लांट के पास चार दिनों से कम का कोयला है। दो हफ्ते पहले 72 प्लांट के पास चार दिनों से कम का कोयला था।

सेना की कॉन्फ्रेंस : शीर्ष कमांडरों ने की सुरक्षा चुनौतियों और एलएसी पर स्थिति की समीक्षा

नई दिल्ली । भारतीय सेना के शीर्ष कमांडरों ने सोमवार को देश की सुरक्षा चुनौतियों की विस्तृत समीक्षा की। चार दिवसीय कॉन्फ्रेंस के शुरुआती दिन पूर्वी लद्दाख और चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के सटे संवेदनशील इलाकों में स्थिति की भी समीक्षा की। समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि कमांडरों ने पिछले कुछ हफ्तों में केंद्र शासित प्रदेश में नागरिकों की हत्याओं के मद्देनजर जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा हालात पर भी चर्चा की। इस दौरान सेना के शीर्ष कमांडरों ने पूर्वी लद्दाख में भारत की युद्धक तैयारियों और आकस्मिक चुनौती का जवाब देने की तैयारियों की समीक्षा की, जहां भारतीय और चीनी सैनिक पिछले 17 महीने से गतिरोध के दौर में हैं। हालांकि, दोनों ही पक्षों ने संघर्ष के कई बिंदुओं पर सैन्य वापसी का काम पूरा कर लिया है। साथ ही सेना में मानव संसाधन से संबंधित मुद्दों को लेकर सुधार और इनके उपायों पर भी चर्चा की गई। रिपोर्ट के अनुसार रक्षा मंत्री राजनाथ इस कॉन्फ्रेंस को बुधवार को संबोधित कर सकते हैं। इसके अलावा इस कॉन्फ्रेंस के दौरान देश की तीनों सशस्त्र सेनाओं के बीच तालमेल को बढ़ावा देने के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह और चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी भी भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व को संबोधित करेंगे। अगले तीन दिनों में सम्मेलन के दौरान पूर्वी लद्दाख की स्थिति और क्षेत्र में भारत की सैन्य तैयारियों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा होने की प्रमुखता से संभावना है। कमांडर पूर्वी लद्दाख के साथ-साथ एलएसी के अन्य क्षेत्रों में समग्र सैन्य तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इस दौरान सेना के कमांडर उन सुधारों और उपायों पर भी चर्चा कर सकते हैं जिनकी विभिन्न आंतरिक समितियों की ओर से अनुशंसा की गई है।

देश में कोरोना : बीते 24 घंटे में कोरोना के 14 हजार से ज्यादा नए मामले, 443 लोगों ने गंवाई जान

नई दिल्ली । भारत में कोरोना संक्रमण के मामलों में उतार चढ़ाव जारी है। किसी दिन मामले बढ़ जा रहे हैं तो किसी दिन केस कम हो जा रहे हैं। बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 14 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले रविवार को 15 हजार से ज्यादा मामले सामने आए थे। वहीं, एक दिन में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा काफी बढ़ गया है। पिछले 24 घंटे में 443 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। हालांकि, इस दौरान 18 हजार से ज्यादा मरीज ठीक होकर अस्पताल से घर लौट चुके हैं। वहीं, एक्टिव केस की संख्या भी कम हुई है। देश में सक्रिय संक्रमित मरीजों की संख्या अब 1 लाख 67 हजार 695 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीते एक दिन में 18,762 लोग ठीक हुए हैं। इसके साथ ही 3 करोड़ 75 लाख लोग ठीक हो चुके हैं। वहीं, कोरोना के एक्टिव केस सिर्फ 1 लाख 67 हजार 695 रह गए हैं, जो धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। हालांकि, कोरोना संक्रमण से मरने वालों की बढ़ती संख्या से तीसरी लहर की चिंता बढ़ गई है। त्योहारों के समय कोरोना संक्रमण फिर से पैर पसारने लगा है। कई राज्यों में कोरोना का डेल्टा वैरिएंट सक्रिय हो रहा है। सूत्रों की मानें तो वैक्सीनेशन का भी डेल्टा वैरिएंट पर ज्यादा असर नहीं पड़ रहा है।

रक्षा मंत्रालय के कार्यालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे राजनाथ सिंह, कामकाज का लिया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को रायसीना हिल्स इलाके में साउथ ब्लॉक स्थित अपने मंत्रालय के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया और कामकाज के माहौल का जायजा लिया. अधिकारियों ने बताया कि राजनाथ सिंह कार्यालय के विभिन्न खंडों में गए और वहां स्वच्छता, कामकाज के माहौल का जायजा लिया तथा कर्मचारियों के साथ बातचीत की. उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री को जहां कहीं सुधार की जरूरत महसूस हुई, उसके लिए उन्होंने आवश्यक निर्देश दिए. अधिकारियों ने बताया कि औचक निरीक्षण के दौरान मंत्री के साथ रक्षा उत्पादन विभाग के सचिव राजकुमार व मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी थे. रक्षा मंत्री ने कामकाज के साथ साथ कार्यालय में साफ सफाई का भी जायजा लिया. रक्षा मंत्री ने कार्यालय में अधूरे पड़े कामों पर भी कर्मचारियों से सवाल किए और उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए. इससे पहले रक्षा मंत्री ने डिफेंस एक्सो को लेकर भी कई बड़ी बातें कहीं. उन्होंने कहा कि होने वाले डिफेंस एक्सो में यह सामने आएगा कि भारत टेक्नोलॉजी के दौर में अनुसंधान और विकास के साथ सेना के लिए जरूरी आधुनिक प्रौद्योगिकियों को लागू करके क्या हासिल करने में सक्षम है. बता दें कि देश की सबसे बड़ी रक्षा प्रदर्शनी यानी डिफेंस एक्स्पो जिसमें सेना के नए नए आधुनिक हथियारों और भविष्य के उपकरणों को प्रदर्शित किया जाता है. ये अगले साल गुजरात में आयोजित होगी.

घर को बनाएं खूबसूरत

घर का चाहे कोई भी कमरा क्यों न हो, उसके कॉर्नर को सजाने के लिए अक्सर विकल्प की कमी महसूस की जाती है। आप अपने घर के कॉर्नर को सजाने के लिए प्लांट्स के अलावा फूलदान व टेलीफोन रख सकते है। इससे जगह का तो इस्तेमाल होगा ही साथ ही घर भी निखरा दिखेगा..

अक्सर घर की साज-सज्जा में हम घर के कमरों के कॉर्नर की अहमियत और उसके उपयोग पर ध्यान नहीं देते, लेकिन इन कोनों पर ध्यान देते हुए इसका सही उपयोग किया जो घर की सजा-सज्जा और खूबसूरती में निखार आएगा, साथ ही आपको घर में मिलेगी अतिरिक्त जगह। यही नहीं जगह को आप अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर्स की मानें तो उनका कहना है कि घर का कोई भी हिस्सा चाहे वह ड्राइंग रूम हो, किचन, बालकनी या फिर बेडरूम ही क्यों न हो, कमरों में स्पेस मैनेजमेंट के जरिये ही उसका उचित इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसका एक पहलू यह भी है कि जगह की कमी और बढ़ती आवश्यकताओं ने लोगों के सामने ज्यादा विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। इसी विकल्प को ध्यान में रखते हुए आजकल इंटीरियर डिजाइनर भी सलाह देते हैं कि घर के कमरे के कोने का उचित इस्तेमाल करें और यहां पर उन्हीं चीजों को स्थान दें जिनका इस्तेमाल रोजाना करना हो।

वैसे यह शत-प्रतिशत सही भी नहीं है इसलिए कई डिजाइनर्स का यह भी कहना है कि कमरों के कोनों में उन चीजों का रखा जाए जहां कम से कम आवाजाही हो। यह कहना किसी हद तक सही भी है क्योंकि ऐसी स्थिति में चीजों के अस्त-व्यस्त रहने की गुंजाइश बनी रहती है। घर में बेडरूम, ड्राइंग रूम, बालकनी और किचन में बहुत सा स्पेस बचा रहता है, जिसका इस्तेमाल हम जाने-अनजाने नहीं करते। ऐसा बेहतर प्लानिंग न होने की वजह से होता है। ऐसे में जरूरत है तो स्पेस को पहचानने और उसके सही इस्तेमाल की और यह काम बहुत मुश्किल नहीं है। तो क्यों न आप भी कुछ खास बातों को ध्यान में रखते हुए अपने घर के कोनों का इस्तेमाल करें। यह बात बेडरूम ड्राइंग रूम किचन या फिर बालकनी पर भी लागू होती है। मसलन टेलीविजन रखने से लेकर सिंगल या डबल बेड शोपीस, बच्चों के खिलौनों और गमलों आदि पर भी लागू होती है। जहां तक टेलीविजन की बात है, उसे कोने में रखना बेहतर हो सकता है। घर के कोने रखा टीवी घर के सभी सदस्यों को दिखेगा और यही आपको मकसद भी होना चाहिए। टीवी के दोनों कोनों के नजदीक ही गमले रखने से लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ जाएगी। गमले दरवाजे के दोनों तरफ भी रखे जा सकते हैं। लेकिन इसकी पहली शर्त यह है कि दरवाजे पर खूबसूरत और रंगीन पर्दा जरूर लगा हो। पर्दा लगा होने की स्थिति में कोने की खूबसूरती बढ़ जाएगी।

यही स्थिति डाइनिंग टेबल की है। इसके किचन के नजदीक रखा जाना चाहिए। अमूमन ड्राइंग रूम और बेडरूम व किचन के बीच स्पेस होता है, इसका इस्तेमाल डाइनिंग टेबल रखने के लिए कर सकते हैं। आधुनिक घरों को डिजाइन करते वक्त डाइनिंग के लिए विशेष तौर पर जगह निकाली जाती है। किताबें रखने के लिए ड्राइंग रूम के दरवाजे के पीछे रैक रखी जा सकती है। या फिर आप चाहें तो इसके लिए रैक भी बनवा सकते हैं। घर के लिविंग रूम के कोने में टेलीफोन या फिर कम्प्यूटर भी रखे जा सकते हैं। कम्प्यूटर को वैसे भी ऐसी जगह रखना चाहिए, जहां आवाजाही कम से कम हो।

कॉर्नर चाहे बड़ों के कमरों के हों या फिर बच्चों के, कमरे के कोने में रखा सामान उसके व्यक्तित्व को भी एक पहचान देता है। वैसे बच्चे कोने की अहमियत शायद न समझें, इसीलिए जूते या स्कूल बैग और रद्दी कागज बिखेरने के लिए इनका इस्तेमाल करें। बच्चों के कमरों में कॉनर्स पर टेबल लगाई जा सकती है, जिसमें उनके खिलौने और टेक्स्ट बुक्स के अलावा मैगजीन आदि रखी जा सकती हैं। इस हिस्से को निखार देने के लिए उन्हीं के द्वारा बनाई पेंटिंग्स के जरिये भी इस हिस्से की खूबसूरती और बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा उनकी स्पो?र्ट्स किट या फिर फ्रेम कराई गई फोटो भी लगा सकते हैं। इससे यह स्पेस जीवंत और सकारात्मक भी लगेगा।

बात बेडरूम की करें तो कोनों में ग्लास या फिर वुडन स्टैंड लगवाकर उस पर गुलदस्ता, लैंपशेड, कोई एंटीक पीस सजाया जा सकता है। आप चाहें तो छोटा सा मंदिर बनवाकर उसमें मूर्तियां भी रख सकते हैं। हां यह जरूर ध्यान रखें कि कॉर्नर में बनाए जाने वाले इन स्टैंड्स की हाइट कम से कम पांच फीट की जरूर हो, जिससे कि छोटे बच्चे इन्हें किसी तरह का नुकसान न पहुंचा सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा समय में घरों के आकार छोटे हो रहे हैं, जिससे इनमें रहने वालों को अक्सर स्पेस की कमी महसूस होती है। फिर भी घर में जितना भी स्पेस हो, अगर उसका सही इस्तेमाल किया जाए तो इस समस्या से काफी हद तक राहत

सोफा वही सोच नई

हमेशा उपयोग के हिसाब से ही फैब्रिक का चयन करें। सफाई के लिहाज से भी उनका रंग, टेक्सचर, मजबूती आपके लिए काफी मायने रखती है, इसलिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें। उदाहरण के तौर पर गहरा और प्रिंटेड सिंथेटिक फैब्रिक ज्यादा इस्तेमाल होने वाले स्थान के लिए बेहतर विकल्प है, जबकि इसके उलट सिल्क की देखभाल करना काफी कठिन है।

लेदर

यह सजावट का काफी महंगा विकल्प है, लेकिन मजबूती के मामले में इसका कोई सानी नहीं है। इसमें दाग-धब्बे आसानी से नहीं पड़ते और थोड़ी सी सफाई से ही इसकी खूबसूरती हमेशा बरकरार रहती है। घर के सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले हिस्से के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प है। हालांकि गर्मी के मौसम में यह थोड़ा परेशानी भरा रहता है। यदि आपका इरादा पक्का है कि लुक तो आपको यही चाहिए तो नकली या सिंथेटिक लेदर ले सकती हैं।

कॉटन

कॉटन अपहोलस्ट्री में नेचुरल कॉटन और कॉटन ब्लेंड्स दोनों तरह के फैब्रिक्स मिलते हैं। कॉटन ब्लेंड्स नेचुरल कॉटन की अपेक्षा अधिक मजबूत और टिकाऊ होता है। स्टेन रेजिस्टेंट फिनिश वाले ब्लेंड्स के बाद बच्चों के बीच अधिक उपयोगी सिद्ध होते हैं। हालांकि इनमें दाग-धब्बे और सिकुड़न आने की संभावना रहती है।

सिल्क

यह काफी नाजुक होता है और इसमें दाग-धब्बे लगने की संभावना भी बहुत ज्यादा रहती है, इसलिए इन्हें घर के उन स्थानों पर जगह दें, जिनका इस्तेमाल कम ही होता है। इसके अलावा बच्चों तथा जानवरों से तो इन्हें दूर ही रखें। इनमें रंगों के बहुत सारे विकल्प मौजूद हैं और भी बेहतरीन लुक के लिए बहुत तरह के पैटर्न, जो लगाने पर काफी एलीगेंट और रिच लगते हैं। एन्वॉयरमेंट फ्रेंडली बनने के लिए आप सिंथेटिक सिल्क का प्रयोग कर सकती हैं।

एक्रिलिक

एक्रिलिक एक सिंथेटिक फैब्रिक है। मजबूत और टिकाऊ होने के साथ ही इसमें सिकुड़न और सिलवटें आने की संभावना कम रहती है। इसे साफ करना भी काफी आसान है। मनपसंद रंगों में मिलने वाले अच्छी क्वालिटी के इस उत्पाद का मजा आप सारे परिवार के साथ बैठकर ले सकती हैं, वह भी बिना किसी टेंशन के। जिन लोगों को एलर्जी की शिकायत रहती है वह अपने फर्नीचर के लिए हाइपोएलर्जेनिक एक्रिलिक फैब्रिक के बारे में विचार कर सकती हैं।

लिनेन

कई सारे रंगों और पैटर्न में मिलने वाला लिनेन काफी मजबूत और टिकाऊ विकल्प है। हालांकि लिनेन में भी सिल्क की तरह सिलवटें और दाग-धब्बे आसानी से पड़ जाते हैं और ये ड्राईक्लीनिंग मांगता है। रोजमर्रा में भी इनकी सफाई का विशेष ध्यान रखना पड़ता है। जो भी हो फर्नीचर के लिए लिनेन एक बेहतरीन विकल्प है।

जब घर में बनाएं ऑफिस

ज्यादातर लोग घरेलू और कामकाजी जीवन को अलग-अलग रखना पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षो से घर से ऑफिस चलाने की अवधारणा बहुत लोकप्रिय हुई है। पहलेपहल यह कंसेप्ट 1990 में चलन में आया। इसे नाम दिया गया- सोहो ।

आज के दौर में हर शिक्षित स्त्री काम करना चाहती है, लिहाजा घर में ऑफिस का विचार और फलने-फूलने लगा है। लेकिन कम लोगों के पास ही घर में इतनी जगह होती है कि वे सुचारु ढंग से ऑफिस चला सकें। कुछ लोग अपने घर के लिविंग स्पेस में ही ऑफिस निकाल लेते है। लेकिन यदि प्रोफेशनल ढंग से न काम किया जाए और व्यवस्थित ऑफिस न बनाया जाए तो उससे फायदा कम ही मिल पाता है। घर में ही सुविधाजनक और शांत कार्यस्थल बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

खाली जगह का सदुपयोग करे

कई बार घर के खाली स्थानों पर नजर जाती ही नहीं, जबकि इनका उपयोग ऑफिस के लिए किया जा सकता है। यदि आपका काम ज्यादा घंटे का नहीं है तो आप अपने स्टडी या लिविंग स्पेस का ही पार्टिशन करके अपने लिए छोटा ऑफिस बना सकती हैं। लेकिन यदि काम ज्यादा गंभीरता और समय की मांग करता है तो इसे अलग स्थान की जरूरत है। यदि आपके घर में तीन-चार बैलकनी है तो एक को कवर करके आप इसका उपयोग ऑफिस के लिए कर सकती है। घर में जगह कम हो तो स्टोर रूम या ड्रेसिंग रूम को भी ऑफिस की शक्ल दी जा सकती है। अपने बेसमेंट, गैरेज में भी रेनोवेशन करके आप इसे ऑफिस का रूप दे सकती है। लेकिन इन स्थानों का चुनाव तभी करे, जबकि भविष्य में भी आपको इनकी जरूरत न हो, क्योंकि बार-बार ऑफिस शिफ्ट करना मुश्किल होता है। महत्वपूर्ण यह है कि होम ऑफिस में समर्पित भाव से कार्य कर सकें, इसलिए जगह के चुनाव में सावधानियां बरतें।

हवादार हो कमरा

एक हवादार कमरा कार्यक्षमता को बढ़ा देता है। ए.सी. और पंखे होने के बावजूद यदि ऑफिस में प्राकृतिक तौर पर हवा की आवाजाही की व्यवस्था हो तो यह बेहतर होगा। यदि आप रचनात्मक कार्यो से जुड़ी है तो खिड़की के बाहर हरियाली को निहारना, मौसम के बदलते रूपों को देखना भी आपको प्रेरणा प्रदान करता है। इसलिए एक बड़ी विंडो, जिससे बाहर कुछ अच्छे दृश्य नजर आएं, ऑफिस में जरूर हो।

प्रकाश व्यवस्था

अपने घर के जिस भी कोने में ऑफिस बनाएं, यह ध्यान रखें कि वहां प्रकाश की समुचित आवाजाही हो, क्योंकि कम या अंधेरी सी रोशनी में काम करना हानिकारक होता है। ऑफिस के इस कमरे को पूरे वर्ष के मौसम के अनुसार व्यवस्थित करे। उदाहरण के लिए यदि गर्मी में ऑफिस बना रही हैं तो आगामी बरसात और सर्दियों के मौसम का भी ध्यान जरूर रखें और उसी के अनुरूप ऑफिस को व्यवस्थित करे। लाइट्स ऐसी लगाएं जो आपकी कार्य प्रकृति के अनुरूप हो।

शांत माहौल जरूरी

घर में ऑफिस बनाने का नुकसान यह होता है कि घरेलू कार्यो से आप खुद को अलग नहीं कर सकतीं। ऑफिस के साथ यदि मुख्य प्रवेश द्वार, किचन या बच्चों का कमरा है तो शांत भाव से आप काम नहीं कर सकतीं। किचन से बीच-बीच में चाय-कॉफी का स्वाद तो ले सकती है, लेकिन यदि यहां पूरे घर का भोजन बनता है तो आपको परेशानी हो सकती है। छह-सात घंटे काम करने के लिए जिस शांत माहौल की जरूरत होती है, वह आपको नहीं मिल सकता। शोरगुल वाले या व्यस्त कमरों से थोड़ी दूरी पर स्थित होना चाहिए ऑफिस। यदि आप फ्लैट सिस्टम में रहती हैं और आप आपके पास अतिरिक्त कमरे नहीं है तो फिर अपने कमरे में साउंड प्रूफ सिस्टम का प्रयोग कर सकती है। इसके अलावा मजबूत वूडेन पैनल्स भी इस शोरगुल से आपको बचा सकते है। यदि घर दोमंजिला है तो आप एक मंजिल को अपने ऑफिस के लिए प्रयोग कर सकती है।

सुविधाजनक हो फर्नीचर

व्यवस्थित और छोटी जगह में ज्यादा सामान खपाने वाला फर्नीचर आपके होम ऑफिस में होना चाहिए। यदि आपको कंप्यूटर पर कार्य करना है तो डेस्कटॉप, की-बोर्ड और चेयर का चुनाव सावधानी से करे। अलमारियां, कैबिनेट्स इस तरह से डिजाइन करे कि सारा सामान आपकी पहुंच में रहे, साथ ही व्यवस्थित भी दिखे। बहुत भारी-भरकम फर्नीचर से ऑफिस बहुत भरा-भरा दिखता है। थोड़ी जगह खाली रहे, यह जरूरी है।

अनावश्यक चीजें न रखें

अपने इस कार्यस्थल को ऐसे डिजाइन करे कि सारा कार्य शांति से हो सके। अनावश्यक चीजों के संग्रह से बचें। रोजमर्रा के व्यर्थ कागजों को डस्टबिन में डालती रहे। इस कमरे में मौजूद पहले के सामानों को दूसरे कमरे या स्टोर रूम में एडजस्ट करे, ताकि अपनी सुविधानुसार ऑफिस को व्यवस्थित कर सकें। फैक्स मशीन या प्रिंटर के आसपास फालतू पेपर्स का जमघट न लगाएं और न ही अपनी मेज की दराज और कैबिनेट्स में अनावश्यक रद्दी एकत्र करे। छोटे से इस ऑफिस को जितना क्लटर फ्री यानी साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखेंगी, उतना ही काम में ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

मूड फ्रेश रखने के लिए

शांत और एकाग्रचित्त होकर कार्य करने के लिए कुछ ऐसे सामान ऑफिस में जरूर रखें, जो आपके मूड को अच्छा रखें। अपनी वॉल्स को पसंदीदा रंगों से सजाएं, कुछ इंडोर प्लांट्स के पॉट्स रखें। फैमिली फोटो के साथ कुछ अच्छे लैंडस्केप्स भी लगाएं। म्यूजिक का शौक है तो अपनी पसंदीदा सीडीज इस रूम में रख सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि यह काम करने की जगह है, इसलिए इसे बहुत ज्यादा न भरें।

एक नजर

दिल्ली विश्वविद्यालय में एडमिशन के लिए आज जारी होगी विशेष कटऑफ सूची, उम्मीदवार ऐसे चेक कर सकेंगे

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय ने विभिन्न कॉलेजों में एडमिशन प्रक्रिया के तहत अबतक तीन कटऑफ सूचियां जारी कर दी है। विश्वविद्यालय के डेटा के मुताबिक अबतक लगभग 58 हजार छात्रों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के पाठ्यक्रमों के में एडमिशन ले लिया है। दिल्ली विश्वविद्यालय को अबतक एडमिशन के लिए 1,70,186 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जो उम्मीदवार इन तीन कटऑफ सूची के तहत एडमिशन के लिए आवेदन नहीं कर पाए थे, उनके लिए विश्वविद्यालय द्वारा आज विशेष कटऑफ सूची जारी कि जाएगी। इस विशेष कटऑफ सूची को कॉलेजों के आधिकारिक वेबसाइट और दिल्ली विश्वविद्यालय के आधिकारिक वेबसाइट du.ac.in पर जारी किया जाएगा। यह कटऑफ सूची केवल उन पाठ्यक्रमों के लिए जारी की जाएगी जिनमें तीसरी कटऑफ सूची के तहत एडमिशन प्रक्रिया के बाद भी सीटें खाली रह गई है। जो उम्मीदवार इस विशेष कटऑफ के तहत एडमिशन के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वह 26 और 27 अक्तूबर को आधिकारिक वाबसाइट से आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार ध्यान दें कि यह विशेष कटऑफ चौथी कटऑफ सूची नहीं हैं, एडमिशन के लिए चौथी कटऑफ सूची 30 अक्तूबर को जारी की जाएगी।

दिल्ली हाई कोर्ट में अफगानिस्तान में फंसे हिंदू और सिखों से संबंधित PIL, कहा- तालिबान से जान का खतरा

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट में 227 भारतीय और अफगानिस्तान में फंसे भारतीय मूल के हिंदू और सिखों की तरफ से संबंधित एक जनहित याचिका दायर की गई है. इसमें कहा गया है कि अफगानिस्तान में फंसे हिंदू और सिखों को तालिबान की तरफ से जान से मारने की धमकी दी जा रही है. याचिकाकर्ता ने तत्काल निकासी, ई-वीजा जारी करने और भारत में सुरक्षित वापसी की मांग की है. याचिकाकर्ता का नाम परमिंदर पाल सिंह है और वे सामाजिक कार्यकर्ता और लेखक हैं. गौरतलब है कि अफगानिस्तान पर पूरी तरह से तालिबान का कब्जा हो चुका है. कई देशों ने ऑपरेशन चलाया और अपने नागरिकों को वहां से निकाला. भारत भी इसमें शामिल रहा. हालांकि, अभी भी कुछ लोग वहां फंसे हुए हैं. याचिका में जिस तरह से ये कहा गया है कि तालिबान से जान का खतरा है, ये तालिबान के दावों पर सवाल खड़े करता है. अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद तालिबान ने पूरी दुनिया को ये संदेश देने की कोशिश की कि वो मुल्क में अमन चैन और हिंसा को दूर रखेगा. लेकिन उसके शासन में बर्बरता और हिंसा की कई खबरें सामने आईं. इन खबरों ने अमन पसंद देशों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दीं. कुछ खबरें तो ऐसी भी सामने आईं कि तालिबान ने अपने पुराने अंदाज में सजा का एलान किया. मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया कि विरोधियों को तालिबान ने मौत के घाट उतार दिया.

दिल्ली में छठ महापर्व से पूर्व श्रद्धालुओं के लिए होगा टीकाकरण अभियान का आयोजन

नयी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने राजधानी में छठ पूजा करने वाले 10,000 लोगों के लिए एक विशेष कोविड-19 टीकाकरण अभियान की सोमवार को घोषणा की। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी मंगलवार को बुराड़ी के निकट कादीपुर से इस विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत करेंगे। मनोज तिवारी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें छठ पूजा सावधानी के साथ मनानी है इसलिए कल (मंगलवार) से छठ व्रत विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान में छठ पूजा करने वाले 10,000 ऐसे श्रद्धालुओं का टीकाकरण किया जाएगा जो किसी कारण से टीका नहीं लगवा सके। भाजपा नेता ने कहा कि नगर निगमों की मदद से पार्टी के पार्षद हर इलाके का दौरा करेंगे और ऐसे लोगों की पहचान करेंगे, जिन्हें कोविड-19 का टीका किसी कारण वश नहीं लग पाया था। उन्होंने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम एक गैर-सरकारी संगठन के सहयोग से चलाया जाएगा। तिवारी ने यह भी कहा कि भाजपा के सभी पार्षद और तीनों नगर निगम के कर्मचारी जल्द ही छठ घाटों की सफाई शुरू करेंगे।

लालू के बयान पर कांग्रेस ने कहा : उनका सम्मान करती है, उपचुनावों में फैसला जनता करेगी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने बिहार में दो विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के संदर्भ में राष्ट्रीय जनता दल (राजद)के प्रमुख लालू प्रसाद के एक बयान को लेकर सोमवार को किसी भी तरह से पलटवार करने से परहेज किया और सिर्फ यह कहा कि वह लालू प्रसाद का सम्मान करती है तथा उपचुनावों में फैसला जनता करेगी। लालू ने सहयोगी के तौर पर कांग्रेस की उपयोगिता पर रविवार को सवाल उठाते हुए कहा था कि क्या राजद को विधानसभा उपचुनावों में एक सीट कांग्रेस के लिये छोड़ देनी चाहिए, ताकि वह वहां अपनी जमानत जब्त करा ले। उन्होंने कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्त चरण दास पर भी निशाना साधा था। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री के बयान के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''लालू जी देश के वयोवृद्ध नेता हैं और उनका सम्मान करते हैं। हर दल के नेता उनकी ओर देखते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं। जहां तक उपचुनाव की बात है, तो दोनों सीटों पर (हार-जीत) जनता तय करेगी।'' इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राज्य से जुड़े मुद्दों पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अपनी प्रतिक्रिया देगी। यह पूछे जाने पर कि सहयोगी दल, कांग्रेस को महत्व क्यों नहीं दे रहे, तो खेड़ा ने कहा, ''कई राज्यों में देखिए, लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। उस बारे में हमसे कोई सवाल नहीं किया जाता। लेकिन कहीं किसी ने कुछ कह दिया तो फिर हमसे पूछा जाता है।'' उन्होंने दावा किया, ''गुजरात में भाजपा के नेताओं की लंबी सूची है, जो कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। गोवा में पूरी आम आदमी पार्टी कांग्रेस में शामिल हो गई। इस बारे में तो चर्चा नहीं होती।

निभाया हर फर्ज : चाची की हत्या के आरोपी पति के लिए रखा करवाचौथ का व्रत, फिर कर दिया पुलिस के हवाले

नई दिल्ली । (वेब वार्ता) करवा चौथ के दिन अपने पति की सलामती की दुआ करते हुए एक महिला ने उसे कानून के हवाले कर दिया। महिला के पति पर दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में अपनी चाची की हत्या और चचेरी बहन की हत्या का प्रयास का मामला दर्ज है। शाम को पति के घर आने पर महिला ने पुलिस को फोन कर उसके आने की सूचना दी। इलाके में गश्त कर रहे द्वारका जिला के पुलिस उपायुक्त शंकर चौधरी खुद मौके पर पहुंचे और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी के मुताबिक आरोपी के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल पिस्टल बरामद कर ली गई है। पुलिस उपायुक्त शंकर चौधरी ने बताया कि आरोपी की पहचान राजीव गुलाटी के रूप में हुई है। मंगलवार को नजफगढ़ के राम बाजार में कैलाश और उसकी बेटी शिवानी पर एक युवक ने ताबड़तोड़ गोली चला दी थी। गोलीबारी में घायल मां-बेटी को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां कैलाश को मृत घोषित कर दिया गया। शिवानी के बयान पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। शिवानी ने बताया कि उनपर उसके चचेरे भाई राजीव ने गोली चलाई है। राजीव से रुपये की लेन-देन और प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा था।

दिल्ली हाईकोर्ट : एलोपैथी के खिलाफ गलत सूचना फैलाने के आरोप में बाबा रामदेव के खिलाफ दायर याचिका पर विचार करना जरूरी

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि योग गुरु रामदेव के खिलाफ कई डॉक्टरों की एसोसिएशन द्वारा कोविड-19 महामारी के बीच एलोपैथी के खिलाफ कथित रूप से गलत सूचना फैलाने के लिए दायर याचिका पर प्रथम दृष्टया विचार किया जाना जरूरी है। इसे आरंभिक स्तर पर बाहर नहीं फेंका जा सकता।

न्यायमूर्ति सी हरि शंकर ने मामले कि सुनवाई के दौरान कहा कि वर्तमान स्तर पर केवल यह देखने की जरूरत है कि क्या आरोपों पर किसी मामले पर विचार किया जा सकता है। यह देखना जरूरी है कि आरोप सही या शायद गलत हो सकते हैं। दूसरा पक्ष कह सकता है कि उन्होंने ऐसी कोई बात नहीं कही, इस तथ्य पर गौर करने की जरूरत है। अदालत ने इस मामले में रामदेव से जवाब मांगा था व उन्होंने याचिका को विचारयोग्य न रखने का तर्क रखा था। अदालत ने कहा कि उनकी नजर में प्रथम दृष्टया याचिका में लगाए गए आरोपों की प्रकृति व गुणदोष पर विचार करना जरूरी है। अदालत ने मामले की सुनवाई 27 अक्तूबर तय करते हुए बाबा रामदेव के वकील को अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। ऋषिकेश, पटना और भुवनेश्वर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के तीन रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के साथ-साथ रेजिडेंट डॉक्टरों के एसोसिएशन, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च,

चंडीगढ़, यूनियन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स ऑफ पंजाब (यूआरडीपी), रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन, लाला लाजपत राय मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, मेरठ और तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन, हैदराबाद ने इस साल की शुरुआत में उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि बाबा रामदेव जनता को एलोपैथी के संबंध में गुमराह और गलत तरीके से पेश कर रहे हैं कि कोविड-19 से संक्रमित कई लोगों की मौतों के लिए एलोपैथी जिम्मेदार है और यह संकेत दे रहा है कि एलोपैथिक डॉक्टर मरीजों की मौतों का कारण बन रहे हैं। याची की और से पेश वरिष्ठ वकील अखिल सिब्बल ने कहा कि एक महामारी के बीच, योग गुरु ने कोरोनिल पर अप्रमाणित दावे किए कि वह कोविड -19 के लिए एक इलाज है, जबकि यह इम्यूनो बूस्टर है। उनका दावा, दवा को दिए गए लाइसेंस के विपरीत है। याचिका में एसोसिएशनों ने कहा कि योग गुरु जो कि अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति हैं, न केवल एलोपैथिक उपचार बल्कि कोविड -19 टीकों की सुरक्षा और प्रभावकारिता से संबंधित आम जनता के मन में संदेह बो रहे है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि गलत सूचना अभियान रामदेव द्वारा बेचे गए उत्पाद की बिक्री को आगे बढ़ाने के लिए एक विज्ञापन और विपणन रणनीति के अलावा कुछ नहीं था, जिसमें कोरोनिल भी शामिल

दिल्ली में डेंगू के मामले 1,000 के पार; एक सप्ताह में 283 नए मरीज मिले, साल 2018 के बाद से सबसे अधिक मामले

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में डेंगू के मामले बेकाबू होते दिख रहे हैं। राजधानी दिल्ली में ही इस साल अब तक डेंगू के 1,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें 280 से अधिक नए मामले पिछले एक सप्ताह में ही दर्ज किए गए हैं। दिल्ली में इस मौसम में दर्ज किए गए डेंगू के कुल मामलों में से इस महीने 23 अक्टूबर तक 665 दर्ज किए गए हैं। राजधानी में पिछले दो हफ्तों में मच्छर जनित बीमारी के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं और दिल्ली में इसके कारण 18 अक्टूबर को पहली मौत भी दर्ज की गई थी। डेंगू से मरने वाली महिला की पहचान 35 वर्षीय ममता कश्यप के रूप में हुई थी, जो दक्षिणी दिल्ली के सरिता विहार की रहने वाली थी। सितंबर के अंत में एक निजी अस्पताल में उसकी डेंगू से मौत हो गई थी। सोमवार को जारी मच्छर जनित बीमारियों पर सिविक

रिपोर्ट के अनुसार, इस सीजन में 23 अक्टूबर तक डेंगू से एक मौत और कुल 1,006 डेंगू के मामले दर्ज किए गए हैं, जो कि इसी अवधि के लिए 2018 के बाद से सबसे अधिक मामले हैं। इस साल 16 अक्टूबर तक कुल मामलों की संख्या 723 थी, इसलिए, एक सप्ताह में 283 नए मामले दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में 1 जनवरी 16 अक्टूबर की अवधि के दौरान दर्ज किए गए डेंगू के मामलों की संख्या साल 2020 में 489, साल 2019 में 833 और साल 2018 में 1,310 थी। दिल्ली में मच्छर जनित बीमारियों के आंकड़ों का रिकॉर्ड रखने वाली नोडल एजेंसी दक्षिणी दिल्ली नगर निगम द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में पूरे वर्ष में कुल 1,072 मामले और एक मौत दर्ज की गई थी। एसडीएमसी द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2020 से पहले के वर्षों में डेंगू से होने वाली मौतों की संख्या साल 2019 में 2, साल 2018 में 4, साल 2017 में 10 और साल 2016 में 10 दर्ज की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में अब तक दर्ज किए गए 665 मामले इस साल एक महीने में दर्ज किए गए सबसे अधिक मामले हैं।

2021 में डेंगू के मामलों का माहवार आंकड़ा इस प्रकार है - जनवरी (0), फरवरी (2), मार्च (5), अप्रैल (10) और मई (12), जून (7), जुलाई (16) और अगस्त (72) है। इस सीजन में सितंबर में 217 मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले तीन वर्षों में एक महीने में सबसे ज्यादा हैं।

18वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे पीएम मोदी, इन मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27-28 अक्टूबर को होने वाले 18वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस सम्मेलन में पीएम मोदी वर्चुअल माध्यम से 28 अक्टूबर को जुड़ेंगे। पीएमओ ने जानकारी दी कि ब्रुनेई के सुल्तान के निमंत्रण पर पीएम मोदी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे हैं। इस शिखर सम्मेलन में आसियान देशों के राष्ट्राध्यक्ष हिस्सा लेंगे।

18वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन कोरोना महामारी, अंतर्राष्ट्रीय विकास, व्यवसायों और अन्य मुद्दों पर केंद्रित होगा। इसके साथ ही सम्मेलन में रणनीतिक साझेदारी की स्थिति की समीक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और वाणिज्य, कनेक्टिविटी और शिक्षा व संस्कृति सहित प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा होगी। कोरोना महामारी के बाद आर्थिक सुधार सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास पर भी मंथन होगा। पीएमओ ने कहा कि आसियान-भारत शिखर सम्मेलन हर साल आयोजित होता है और इसके जरिए भारत व आसियान को उच्चतम स्तर पर जुड़ने का अवसर मिलता है। नवंबर 2020 में आयोजित 17वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में भी पीएम मोदी ने शिरकत की थी। पीएमओ ने जानकारी दी कि आसियान-भारत सामरिक साझेदारी भौगोलिक, ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों की एक मजबूत नींव पर खड़ी है। आसियान हमारी एक्ट ईस्ट नीति और भारत-प्रशांत के हमारे व्यापक दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण है। 2022 में आसियान-भारत संबंधों के 30 वर्षों को इंगित करेगा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अगस्त 2021 में आसियान-भारत विदेश मंत्रियों की बैठक और ईएएस विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नीट पीजी काउंसलिंग पर रोक लगाने को कहा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से नीट-पीजी के लिए काउंसलिंग को तब तक के लिए टालने को कहा जब तक कि वह अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) में ओबीसी और ईडब्ल्यूएस आरक्षण शुरू करने के केंद्र के फैसले की वैधता का फैसला नहीं कर लेता। सुप्रीम कोर्ट ने ईडब्लूएस के लिए वार्षिक आय मानदंड के रूप में 8 लाख रुपये की सीमा तय करने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान अदालत में याचिका दायर करने वाले नीट उम्मीदवारों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत से कहा कि स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की आधिकारिक सूचना के अनुसार, काउंसलिंग के पंजीकरण 25 अक्तूबर, 2021 से शुरू होने हैं। उन्होंने अदालत से इसमें हस्तक्षेप के लिए आग्रह किया। इस पर, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि अगर अदालत के फैसले से पहले काउंसलिंग शुरू होती है तो छात्रों को एक गंभीर समस्या होगी। इसके बाद केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त

सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया कि नीट-पीजी के लिए काउंसलिंग तब तक शुरू नहीं होगी जब तक कि कोर्ट अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण शुरू करने के केंद्र के अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) फैसले की वैधता का फैसला नहीं कर लेता। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार, 21 अगस्त, 2021 को सुनवाई के दौरान आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण के लिए पात्रता निर्धारित करने के लिए आठ लाख रुपये की वार्षिक आय के मानदंड अपनाने को लेकर केंद्र सरकार पर सवालों की बौछार की थी। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बीवी नागरत्न की पीठ ने इस मुद्दे पर केंद्र द्वारा हलफनामा दाखिल नहीं करने पर नाराजगी भी जताई थी। पीठ ने ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर के लिए आठ लाख रुपये के मानदंड का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से सवाल किया कि ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणियों के लिए समान मानदंड कैसे अपनाया जा सकता है जबकि ईडब्ल्यूएस में कोई सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन नहीं है।

उत्तर भारत में इस बार पड़ सकती है हाड़ कंपाने वाली सर्दी, 3 डिग्री तक जा सकता है पारा

नई दिल्ली। उत्तरपूर्व एशिया में इस बार कड़ाके की ठड़ पड़ सकती है और इससे क्षेत्र में उर्जा संकट बढ़ने की भी आशंका जताई जा रही है. भारत की बात करें तो जनवरी और फरवरी में देश के कुछ उत्तरी इलाकों में तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक नीचे जा सकता है. मौसम की स्थिति के लिए ला नीना को जिम्मेदार बताया जा रहा है. प्रशांत क्षेत्र में ला नीना उभर रहा है. आमतौर पर इसका अर्थ है कि उत्तरी गोलार्ध में तापमान का सामान्य से कम रहना. इस स्थिति ने क्षेत्रीय मौसम एजेंसियों को कड़ाके की सर्दी के बारे में चेतावनी जारी करने के लिए प्रेरित किया है. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, कई देश खासकर चीन ईंधन की ऊंची कीमतों और बिजली के संकट से जूझ रहे हैं. कोयले और गैस के दाम पहले से ऊंचाई पर हैं. ऐसे में कड़ाके की ठंड से इन चीजों की मांग और बढ़ेगी. डेटा प्रोवाइडर डीटीएन में मौसम गतिविधियों के उपाध्यक्ष रेनी वांडेवेगे ने कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि पूरे उत्तरपूर्व एशिया में इस बार सर्दी में तापमान सामान्य से कम रहेगा. रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में जनवरी-फरवरी में कुछ उत्तरी इलाकों में तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक जाने की संभावना है. अन्य देशों के विपरीत, ठंडा मौसम यहां आमतौर पर कम ऊर्जा खपत दर्शाता है क्योंकि एयर कंडीशनिंग की मांग हो जाती है. सबसे अहम बात यह कि मानसून सीजन के समाप्त होने के बाद देश में शुष्क अवधि का अनुमान लगाया जा रहा है. हाल के महीनों में प्रमुख कोयला खनन क्षेत्रों का बाढ़ का सामना करना पड़ा, जिससे देश की 70 प्रतिशत बिजली के उत्पादन के लिए सप्लाई होने वाले ईंधन (कोयले) की आपूर्ति में गिरावट आई. Atmospheric Gw में मौसम विज्ञान के निदेशक टॉड क्रॉफर्ड के अनुसार, ला नीना की घटनाओं के अलावा अन्य कारक भी हैं जो उत्तरपूर्व एशिया के सर्दियों के मौसम को प्रभावित कर सकते हैं. जलवायु परिवर्तन के कारण आर्कटिक के कारा सागर में समुद्री बर्फ की कमी हो गई है, जो क्षेत्र में उच्च दबाव से छुटकारा पाने में योगदान दे सकता है. यह पूरे उत्तरपूर्व एशिया में कड़ाके की ठंड की ओर इशारा करता है जैसे पिछले साल सर्दियों में हुआ था.

केंद्र ने राज्यों को दी कोविड-19 रोधी टीके की 107 करोड़ से ज्यादा खुराकें, वैक्सीनेशन अभियान में आएगी तेजी

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अभी तक कोविड-19 रोधी टीके की 107.22 करोड़ से अधिक खुराक दी गयी हैं. मंत्रालय ने बताया कि राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेश के पास टीकों की 12.75 करोड़ से अधिक खुराक हैं, जिनका अभी इस्तेमाल नहीं किया गया है.

मंत्रालय ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भारत सरकार (निःशुल्क माध्यम) के जरिए और प्रत्यक्ष राज्य खरीदारी श्रेणी के तहत अब तक कोविड-19 रोधी टीके की कुल 1,07,22,89,365 खुराक उपलब्ध कराई जा चुकी हैं. उसने कहा कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत केंद्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोविड रोधी टीके मुफ्त उपलब्ध कराकर उनकी सहायता कर रहा है. वहीं देश में आज कोरोना के 14,306 नए मामले सामने आए हैं. जबकि इस वायरस से पिछले 24 घंटे में 443 मरीजों की मौत हो गई. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया

कि देश में कोरोना वायरस के एक्टिव मरीज अब घटकर 1.67 लाख रह गए हैं. मंत्रालय ने जानकारी दी कि पिछले 24 घंटों में देश भर में संक्रमण से 18,762 लोग ठीक भी हुए हैं, जिसके बाद कोरोना से अब तक ठीक होने वालों की संख्या 3,35,67,367 हो गई है. देश में कोरोना वायरस संक्रमण के एक्टिव मरीज फिलहाल 1,67,695 हैं, जो कुल मामलों का 0.49 प्रतिशत है. 239 दिनों में एक्टिव केस का यह आंकड़ा सबसे कम है. दैनिक पॉजिटिविटी रेट 1.43 प्रतिशत है, जो पिछले 21 दिनों से 2 प्रतिशत से कम है. जबकि विकली पॉजिटिविटी रेट 1.24 प्रतिशत है, जो 31 दिनों से 2 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है. देश में रिकवरी रेट अब 98.18 प्रतिशत हो गया है. मंत्रालय ने बताया कि देश भर में अब तक 102.27 करोड़ (1,02,27,12,895) कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी हैं.

समलैंगिक विवाह : दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र ने कहा- देश में पुरुष और महिला के बीच ही शादी की अनुमति

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को कानून के तहत समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि कानून चाहे कुछ भी कहता हो, भारत में अभी केवल जैविक पुरुष और जैविक महिला के बीच विवाह की अनुमति है। चीफ जस्टिस डीएन पटेल और जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच अभिजीत अय्यर मित्रा, वैभव जैन, डॉ. कविता अरोड़ा, ओसीआई कार्ड धारक जॉयदीप सेनगुप्ता और उनके साथी रसेल ब्लेन स्टीफेंस की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने सभी पक्षों को अपनी दलीलें पूरी करने के लिए और समय देते हुए याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई के लिए 30 नवंबर की तारीख तय की है। सुनवाई के

नागरिकता कानून विवाहित जोड़े के लिंग पर मौन है। राज्य को केवल पंजीकरण करना है। इसलिए यदि केंद्र जवाब दाखिल नहीं करना चाहता है, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है।

दौरान जॉयदीप सेनगुप्ता और स्टीफेंस की ओर से पेश हुए वकील करुणा नंदी ने बताया कि जोड़े ने न्यूयॉर्क में शादी की और उनके मामले में नागरिकता अधिनियम 1955, विदेशी विवाह अधिनियम 1969 और विशेष विवाह अधिनियम 1954 कानून लागू होता है। उन्होंने नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 7ए (1) (डी) पर प्रकाश डाला, जो विषमलैंगिक, समान-लिंग या समलैंगिक पति-पत्नी के बीच कोई भेद नहीं करता है। वकील ने कहा कि यह एक बहुत ही सीधा मुद्दा है। नागरिकता कानून विवाहित जोड़े के लिंग पर मौन है। राज्य को केवल पंजीकरण करना है। इसलिए यदि केंद्र जवाब दाखिल नहीं करना चाहता है, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि, केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि स्पाउस का अर्थ पति और पत्नी है, विवाह विषमलैंगिक जोड़ों से जुड़ा एक शब्द है और इस प्रकार नागरिकता कानून के संबंध में कोई विशिष्ट जवाब दाखिल करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि कानून जैसा भी है, जैविक पुरुष और जैविक महिला के बीच विवाह की अनुमति है।

सम्पादकीय

खेती-किसानी की बात: साहसी फैसले की कीमत

हमारे पड़ोसी देश श्रीलंका में खाने-पीने की वस्तुओं का संकट खड़ा हो गया है। हालात इतने खराब हुए कि वहां खाद्य-आपातकाल लगाना पड़ा और आलू, चावल जैसी जरूरी चीजों के वितरण का जिम्मा फौज के हाथों में दे दिया गया। कोविड के कारण श्रीलंका की आर्थिक समृद्धि के मूल कारक पर्यटन को भारी नुकसान हुआ, लेकिन दो करोड़ 13 लाख की आबादी वाले इस छोटे से देश ने इसी साल अप्रैल में एक क्रांतिकारी कदम उठाया। सरकार ने पूरी खेती को रासायनिक खाद और कीटनाशक से मुक्त कर शत-प्रतिशत जैविक खेती में बदलने का फैसला किया। बगैर रसायन के हर दाना उगाने वाला पहला देश बनने की चाहत में श्रीलंका ने कीटनाशकों, उर्वरकों और कृषि रसायनों के आयात और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। श्रीलंका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में खेती-किसानी की भागीदारी 8.36 फीसदी है और देश के कुल रोजगार में खेती का हिस्सा 23.73 फीसदी है। श्रीलंका सरकार का मानना है कि भले ही रसायन वाली खेती से कुछ अधिक फसल आती है, लेकिन उसके कारण पर्यावरण क्षरण, जल प्रदूषण हुआ है, और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वृद्धि हो रही है। चूंकि देश जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है, ऐसे में देश को बचाने का एकमात्र तरीका है-खाद्य उत्पादन को रसायन से पूरी तरह मुक्त करना। हालांकि विशेषज्ञों का अनुमान है कि इससे फसलें देश के सामान्य उत्पादन के लगभग आधी रह जाएंगी। श्रीलंका का यह निर्णय पर्यावरण, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और जमीन की सेहत के लिहाज से है तो सराहनीय, लेकिन सरकार ने किसानों को जैविक खेती के लिए व्यापक प्रशिक्षण तक नहीं दिया। इसके अलावा, सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में जैविक खाद भी उपलब्ध नहीं हैं। एक अनुमान के अनुसार, देश में हर दिन लगभग 3,500 टन जैविक कचरा उत्पन्न होता है। इससे सालाना आधार पर लगभग 20-30 लाख टन कंपोस्ट का उत्पादन किया जा सकता है। हालांकि, सिर्फ धान की जैविक खेती के लिए पांच टन प्रति हेक्टेयर की दर से सालाना लगभग 40 लाख टन खाद की आवश्यकता होती है। चाय बागानों के लिए जैविक खाद की मांग 30 लाख टन और हो सकती है। जाहिर है, श्रीलंका को बड़े स्तर पर जैविक उर्वरकों के घरेलू उत्पादन की आवश्यकता है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय खाद-कीटनाशक लॉबी भी सक्रिय हो गई है और दुनिया को बता रही है कि श्रीलंका जैसा प्रयोग करने पर कितने संकट आएंगे। प्लांट पैथोलॉजिस्ट स्टीवन सैवेज के एक अध्ययन के अनुसार, जैविक खेती की पर्यावरणीय लागत और दुष्प्रभावों का अपना हिस्सा है- समूचे अमेरिका में जैविक खेती के लिए 10.9 करोड़ से अधिक एकड़ कृषि भूमि की आवश्यकता होगी-जो देश की वर्तमान शहरी भूमि से 1.8 गुना अधिक है। एक बात और कही जा रही है कि जैविक खेती के कारण किसान को साल में दो फसल मिलने में भी मुश्किल होगी, क्योंकि ऐसी फसल समय लेकर पकती है, जिससे उपज अंतराल में और वृद्धि हो सकती है। उपज कम होने पर गरीब लोग बढ़ती कीमत की चपेट में आएंगे। पर यह भी सच है कि अंधाधुंध रसायन के इस्तेमाल से तैयार फसलों के कारण हर साल कोई पच्चीस लाख लोग पूरी दुनिया में कैंसर, फेफड़ों के रोग आदि से मारे जाते हैं। अकेले कीटनाशक के इस्तेमाल से आत्महत्या करने वालों का सालाना आंकड़ा तीन लाख है। ऐसे उत्पाद खाने से आम लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कम होने, बीमार होने और असामयिक मौत से आम लोगों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है और इंसान के श्रम कार्य दिवस भी प्रभावित होते हैं। श्रीलंका की नई नीति से भले ही आज खाद्य-आपातकाल जैसे भयावह हालात हो गए हों, पर यह लोगों को जहर मुक्त संतुलित आहार के अधिकार की गारंटी दे रही है।

एअर इंडिया की बिक्री निजीकरण की मास्टरक्लास, उम्मीद है कि एअर इंडिया की बिक्री से स्वस्थ निजीकरण के प्रति मानसिकता बदलेगी

चेतन भगत

एअर इंडिया बिक गई। पूरी की पूरी। इस बिक्री पर पिछले 20 वर्षों से काम चल रहा था, जिसमें कई असफल प्रयास हुए। कल्पना कीजिए किसी के लिए दूल्हा या दुल्हन ढूंढे जा रहे हों और रिश्ता 20 साल बाद मिले। हमें सच में कहना होगा, बहुत-बहुत बधाई हो। भारत सरकार से टाटा तक, जो वास्तव में मूल संस्थापक-मालिक थे। निजीकरण और विनिवेश के प्रयासों पर नजर रखने वाले लोगों की बोरियत से भरी एअर और पढ़ाकू दुनिया में यह छोटा-सा चमत्कार हो सकता है। लेकिन अंदर से अब भी मुझे यह विश्वास नहीं हो रहा कि एअर इंडिया बिक चुकी है। एअर इंडिया के बेड़े के हवाईजहाज शायद भारत सरकार के सबसे महंगे खिलौने थे। तमाम प्रयासों के बावजूद इससे सरकार को हर साल हजारों करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा था। बिक्री के समय कंपनी पर 65 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज था। टाटा को बोली जीतने के बाद मौजूदा कर्ज में से करीब 15 हजार करोड़ ही चुकाने होंगे, जबकि बाकी का कर्ज (40 हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा) सरकार संविलयन कर खुद चुकाएगी। यह नुकसान उन कई हजार करोड़ रुपयों में जुड़ जाएगा, जो सरकार पिछले कुछ दशकों से लगातार एअर इंडिया पर खर्च कर रही थी। और फिर भी इन तथाकथित 'नुकसानों' के बावजूद, सरकार की इस डील को पूरा करने के लिए सराहना होनी चाहिए। एअर इंडिया महज एक एअरलाइन नहीं थी, वह निरंतर घाटे वाली कंपनी थी, जो अब पैसे नहीं कमा पा रही था, खासतौर पर बड़े कर्ज के ब्याज का बोझ उठाने के कारण। सरकार द्वारा एअर इंडिया को बेचने का मतलब है, उसे होने वाले नुकसान का तुरंत बंद हो जाना, जो कुछ अनुमानों के मुताबिक 20 करोड़ रुपए प्रतिदिन तक था। यह ऐसा पैसा है जो विकास और जनकल्याण पर खर्च किया जा सकता है। बेशक, सरकार कर्ज का संविलयन कर सकती थी और एअरलाइन को समान प्रबंधन के तहत एक नई शुरुआत दे सकती थी। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया क्योंकि उसे अहसास हुआ कि सिर्फ कर्ज समस्या नहीं थी, कर्ज में डूबने के पीछे का कारण यानी खराब प्रबंधन समस्या था। कर्ज को साफ करते रहने, बिलों का भुगतान करते रहने और एअरलाइन को पहले ही तरह ही चलाते रहने से कुछ नहीं बदलता और नुकसान जारी रहता। किसी अनजाने कारण से एअर इंडिया 'राष्ट्रीय गर्व' का प्रतीक बन गई थी, जिससे इसे बेचना और मुश्किल हो गया था। खासतौर पर ऐसी सरकार के लिए जिसके लिए राष्ट्रवाद मुख्य राजनीतिक आधारों में से एक है। फिर भी सरकार ने इसे बेच दिया। एअर इंडिया कोई भारतीय एअर फोर्स नहीं है। एक घाटे वाली, पैसा बर्बाद करने वाली, वैश्विक रेटिंग्स में निचले स्तर पर बैठी एअरलाइन राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक नहीं हो सकती, चाहे उसका मालिक, इतिहास या नाम कुछ भी रहा हो। राष्ट्रीय गर्व उत्कृष्टता से आता है और एअर इंडिया फिलहाल इसके लिए नहीं जानी जाती।

किसी भी सामान्य समय में घाटे वाली, सरकारी कर्मचारियों के स्टाफ वाली एअरलाइन को बेचना मुश्किल काम है, पर उसे ऐसे समय में बेचने के लिए अतिरिक्त सराहना होनी चाहिए, जब ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय यात्राएं प्रभावित हैं। इस सौदे पर काम करने वाली भारत सरकार की पूरी टीम बधाई की पात्र है। एअर इंडिया का निजीकरण कोई साधारण बात नहीं है। यह एक हाई-प्रोफाइल और सभी जगह नजर आने वाली कंपनी है। एअर इंडिया की 100त्न बिक्री बताती है कि निजीकरण किया जा सकता है और नागरिकों को इसपर कोई एतराज नहीं है। बिक्री की घोषणा पर इसका थोड़ा-बहुत ही विरोध हुआ था।

यह निजीकरण का मौसम है, सरकार को ऐसे और निजीकरण करने चाहिए। एअर इंडिया की बिक्री में भविष्य के विनिवेशों के लिए अच्छे सबक हैं। यह रहे शीर्ष तीन बुनियादी सच, जिन्हें दिमाग में रखना जरूरी है, ताकि सार्वजनिक क्षेत्र के किसी और उपक्रम को बेचने में 20 साल न लगें।

1. निजीकरण को जीवन के हिस्से के रूप में स्वीकारें, इसपर बहस करने का कोई फायदा नहीं है

इस पर अब पर्याप्त डेटा मौजूद है कि सरकार को ज्यादातर बिजनेस नहीं चलाने चाहिए। हां, यह सच है कि किसी को सभी निजीकरणों पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। हालांकि, प्रत्येक निजीकरण को 'भारी छूट पर बिक्री' या 'कौड़ियों के भाव अपनी मूल्यवान चीज से छुटकारा पाना' नहीं मानना चाहिए। सच कहूं तो ऐसी चीज, जो आगे जाकर मूर्खतापूर्ण निवेश साबित होगी, उसे अपने पास बनाए रखने से अच्छा है, उसे बेच दिया जाए। निजीकरण बनाम राष्ट्रीयकरण बहसों में वैधता है, लेकिन इन्हें दो मूर्खतापूर्ण बातें नहीं कहा जा सकता है। सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ उपक्रमों (पीएसयू) को निजीकरण की जरूरत है और होगी, इसे स्वीकार करें।

2. सौदे के लिए सही कीमत लगाएं

एअर इंडिया को बेचने के प्रयास वर्ष 2001, 2018 और यहां तक कि 2020 में भी असफल हुए थे। ज्यादातर बार बात कीमत पर अटकी। सरकार हमेशा ही ऋण के कुछ हिस्से के संविलयन को तैयार थी, लेकिन मुद्दा था कितना? आज, टाटा को एअरलाइन की सिर्फ 30त्न देनदारी का बोझ उठाना होगा। इससे पहले के प्रयास असफल रहे क्योंकि निजी कंपनियों से 50त्न या 40त्न देनदारियों का बोझ उठाने की उम्मीद की जा रही थी।

पीएसयू की बिक्री कौड़ियों के भाव चांदी बेचने जैसा नहीं है। पीएसयू वित्तीय संपत्तियां हैं, जिनका सही मोल लगाना जरूरी है। वर्ना, कोई भी इन्हें खरीदने आगे नहीं आएगा। इस सौदे में टाटा का भी लाभ होना चाहिए। टाटा कंपनी इस उम्मीद में बड़ा जोखिम उठा रही है कि वह एअरलाइन का कायाकल्प कर पाएगी और सरकारी फायदे उठाने के आदी स्टाफ का प्रबंधन कर पाएगी। इसके लिए टाटा को कुछ पैसा कमाना होगा।

आसमान बुझता ही नहीं, और दरिया रौशन रहता था; आखिर क्यों देवभूमि विचलित हो उठी है, क्यों बादल फटने लगे?

नवनीत गुर्जर

समतल पर पैदा होने वाले, पठारों में रहने वाले लोगों का पहाड़ों ने हमेशा स्वागत किया है। वर्षों से स्वागत करते रहे हैं। ये पहाड़ हमारे लिए धुली बर्फ के नम्दे डालकर आसन बिछाते हैं। ढलानों पर बहुत से जंगलों के खेमे खींचते हैं। तनाबें बांध रखते हैं देवदार के मजबूत पेड़ों से। अपने हाथों से काढ़े हुए, पलाश और गुलमोहर के तकिए लगाते हैं। हमारे रास्ते में छांव छिड़कते हैं। बादल धुन्ते रहते हैं, फिर भी वादियां खाली नहीं होतीं। इतनी उदारता, इतना स्वागत, इतना नेह अब कहां चला गया? क्यों वे देवदार के पत्ते तलवार बन गए? क्यों वह नरम बर्फ नुकीली हो गई? आखिर क्यों देवभूमि विचलित हो उठी है? क्यों बादल फटने लगे? क्यों मनुष्य मरने लगे? क्यों? वैसे कोहरे में लिपटी, सिमटी हुई इन वादियों को पूरे बरस नज़ला रहता है। बर्फ पड़े तो नाक जम जाती है। धूप पड़े तो फिर बहने लगती है। पतझड़ में भी छींकों की झड़ी सी लगी रहती है। छींटे उड़ते रहते हैं। बरस भर सुडक-सुडक करती रहती हैं। लेकिन इस तरह का भयानक दौर कम ही देखा है। मनुष्यों को चपेट में लेकर बहा ले जाना, मार देना, पता तक नहीं लगने देना, पहाड़ों की ऐसी फ़ितरत कभी नहीं रही। पहाड़ ऐसे कभी नहीं थे! दरअसल, हम मनुष्यों ने, ख़ासकर समतल, पठारों वालों ने अपने लालच के कारण पहाड़ों को गुस्सा दिलाया है। ज्और दिन-ब-दिन उनके गुस्से को बढ़ाया भी है। कभी उनके सिर पर कुल्हाड़े चलाए। लगातार चलाते जा रहे। कभी उनकी छाती में खंजर घोंपे, लगातार घोंपे जा रहे हैं। उनके पैर जिन्हें धो-धोकर पीना था, पीते रहना था, हम काट- काटकर खा गए। बेच भी डाले! गलियों, पगडंडियों में उन्होंने जो छांव छिड़क रखी थी, हम पूरी की पूरी घोलकर पी गए। गुस्सा तो आएगा! मनुष्यों का गुस्सा जब महाभारत जैसे युद्ध करवा देता है तो वे तो पहाड़ हैं। उनका धैर्य जितना बड़ा और विशाल होता है, गुस्सा भी उतना ही भयंकर और विकराल होना लाज़िमी है। आखिर, लगभग आधी सदी से भी ज्यादा समय से हम यही सब तो कर रहे हैं। कभी विकास के नाम पर, कभी लालच के वशीभूत होकर, पेड़ों को काट रहे हैं। पहाड़ों को छील रहे हैं। उन्हें समतल बनाने से भी नहीं चूक रहे हैं। पहाड़ों का अस्तित्व मिटाने जाएंगे तो क्या-क्या भुगतना पड़ सकता है, इसका एहसास तो होना ही चाहिए! अफसोस इस बात का है कि हमें यह सब करते हुए एहसास तक नहीं होता कि यह ठीक है या नहीं? इसके परिणाम भयंकर होंगे या प्रलयकारी? जिस दिन समतल वालों को पहाड़ों, नदियों के दर्द का एहसास हो जाएगा, सबकुछ ठीक हो जाएगा। वरना न नदियां रहेंगी, न पहाड़ बचेंगे। आने वाली पीढ़ियां फिर किताबों और उनमें वर्णित कहानियों में ही पढ़ेंगी- कि रात पहाड़ों पर कुछ और ही होती थीज। आसमान बुझता ही नहीं और दरिया रौशन रहता था।

बांग्लादेश: हिंदुओं का भरोसा जीतने की चुनौती

तस्लीमा नसरीन

माननीया प्रधानमंत्री, शेख हसीना, आप बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। बांग्लादेश में जितने भी बौद्धिक व विवेचक हैं, वे आप पर भरोसा करते हैं। किसी भी दुर्योग का मुकाबला कर पाने में आप ही सक्षम हैं। इसलिए अभी वहां जो कुछ हो रहा है, उस पर अंकुश लगाने के लिए आपको सख्त होना पड़ेगा। धर्मनिरपेक्षता के सपने के साथ जिन लोगों ने इकहत्तर में बांग्लादेश में मुक्तियुद्ध को अंजाम दिया था, कुछ गलत लोग लंबे समय से उस धर्मनिरपेक्षता को ध्वस्त करने के एजेंडे में लगे हुए हैं। उस धर्मनिरपेक्षता को फिर से शक्तिशाली और प्रासंगिक बनाने की क्षमता आप ही में है। हम सभी जानते हैं कि हाल के दशकों में वहां एक नई पीढ़ी आकार ले चुकी है, जिसकी असहिष्णुता तथा गैर-मुस्लिमों व नारियों के प्रति विद्वेष की भावना धीरे-धीरे भीषण होती गई है। ये लोग ईर्ष्या, घृणा और विद्वेष के हथियारों के साथ अपने पड़ोसियों पर हमला बोलने के लिए दौड़ रहे हैं। दूसरी भाषा और दूसरी संस्कृति के साथ रह न पाने के कारण ही इकहत्तर में हम अपनी बांग्ला भाषा और संस्कृति के साथ अलग हुए थे। आज अगर बंगाली ही दूसरे बंगाली को निशाना बनाए, तो इकहत्तर के हमारे शत्रु के ही हाथ मजबूत होंगे। बांग्लादेश में इस असहिष्णु पीढ़ी को जो लोग तैयार कर रहे हैं, उनकी शिनाख्त करनी होगी और संकीर्णता, विभाजन और विद्वेष की भावना से लोगों को मुक्त करना होगा। इसके बगैर देश का भविष्य भयावह है। मैं नहीं जानती कि समूचे बांग्लादेश में हिंदुओं पर इतने बड़े हमले के बाद कितने हिंदू वह देश छोड़ देंगे। मेरी आशंका है कि हिंदुओं की एक बड़ी आबादी रात के अंधेरे में अपने पुरखों की देहरी छोड़ निकल लेगी। अपना अस्तित्व बचाने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय लंबे समय से देश छोड़ने के लिए अभिशप्त है। बांग्लादेश का अल्पसंख्यक समुदाय दूसरी किसी भी सरकार की तुलना में आपके सत्ता काल में तुलनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस करता आया है। हिंदू, बौद्ध और ईसाई आपके दौर में जितने सुरक्षित रहे हैं, उतने किसी और सरकार में नहीं। अपने भाषणों में आपने बार-बार कहा है, जो लोग हिंदुओं के घरों में आग लगाते हैं, आप उन्हें कठोर सजा देंगी। अगर सचमुच अपराधियों को सजा मिलती, तो हिंदुओं के सामने अपने पुरखों का गांव-घर छोड़ जाने की विवशता न होती। अफगानिस्तान और पाकिस्तान में निरंतर अत्याचार के कारण अल्पसंख्यक आबादी धीरे-धीरे नगण्य होती जा रही है। अगर बांग्लादेश में भी ऐसा ही हुआ, तो धर्मनिरपेक्ष लोगों के बीच आपकी छवि क्या रह जाएगी? इसलिए इस क्षण सभी को देश के अल्पसंख्यक समुदाय को सौ फीसदी सुरक्षा प्रदान करने की शपथ लेनी होगी। पीड़ित और असहाय हिंदुओं की आर्थिक सहायता करनी होगी, ताकि वे अपने ध्वस्त घरों और दुकानों का पुनर्निर्माण करा सकें। और दूसरा जरूरी काम यह है कि जो मुल्ला-मौलवी लोगों को हिंदुओं और महिलाओं के खिलाफ उकसाते हैं, उन पर कड़ी कार्रवाई करनी होगी। बांग्लादेश की नई पीढ़ी को पथभ्रष्ट करने के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार ये मुल्ले ही हैं। वहां की जनता यह भी जानती है कि अगर आप ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाना चाहें, तो आसानी से उठा सकती हैं, क्योंकि आप इस समय सबसे अधिक ताकतवर हैं। यह कहना गलत नहीं कि बांग्लादेश में आज कोई विपक्ष नहीं है। फिर आपका विरोध करेगा कौन? हिफाजत-ए-इस्लाम नाम के जिस समूह ने पिछले दिनों सांप्रदायिक हिंसा की कुछ घटनाओं को अंजाम दिया था, आपने जरूरी सख्ती दिखाकर उस पर अंकुश लगाया ही है। ऐसे में, हिंदुओं को निशाना बना रहे कुछ मुल्ला-मौलवियों का दमन आप सहजता से कर सकती हैं। इस बीच दो तथ्यों ने मुझे बेहद विचलित किया है। एक तो मानवाधिकार आयोग का आंकड़ा ही है, जिसके मुताबिक, पिछले नौ साल में बांग्लादेश में कुल 3,679 हिंदुओं को निशाना बनाया गया है, और किसी भी मामले में पीड़ित को न्याय नहीं मिला है। और दूसरा तथ्य यह कि वर्ष 2016 में नासिर नगर में हिंदुओं को निशाना बनाने के मामले में आरोपियों-दीवान अतिकुर रहमान, अबुल हाशिम और अख्तर मियां को अवामी लीग ने चुनाव में टिकट दिया है। अगर यही न्याय है, तब फिर पीड़ितों का तो न्याय पर से भरोसा ही उठ जाएगा। प्रधानमंत्री से मेरा निवेदन है कि नासिर नगर में हिंदुओं के घरों में जिन लोगों ने आग लगाई, सैकड़ों हिंदुओं को जिन्होंने बेघर, बेसहारा कर दिया, न सिर्फ उन्हें दिया गया चुनावी टिकट रद्द कीजिए, बल्कि ऐसे अपराधियों को तत्काल अपनी पार्टी से बाहर भी कीजिए। अगर आप ठान लें, तो ऐसा कर सकती हैं। मुस्लिम कट्टरपंथियों के खिलाफ आपको सख्त कदम इसलिए भी उठाना चाहिए, क्योंकि इस बीच आपने बांग्लादेश को एक विकसित देश बना दिया है। आर्थिक रूप से बांग्लादेश आज बेहद मजबूत है। ऐसे में, कुछ समूह अल्पसंख्यक समुदाय को जिस तरह लगातार निशाना बना रहे हैं, उससे आपकी छवि ही खराब हो रही है। यह सही है कि आज बांग्लादेश में कल-कारखानों की संख्या बढ़ी है, सड़क और पुल आदि भी बेहद उन्नत हैं। लेकिन यह आप भी जानती होंगी कि सिर्फ इन्हीं की वजह से कोई देश उन्नत नहीं हो जाता। वहां अमीर और गरीब के बीच की खाई बनी हुई है। बांग्लादेश की वास्तविक प्रगति तो तब होगी, जब वहां अल्पसंख्यकों की स्थिति बेहतर होगी। मैं बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा का मुद्दा पिछले कई दशकों से लगातार उठाती आई हूं। दिसंबर, 1992 में वहां हिंदुओं पर हुए भीषण हमले की मैं गवाह थी, उन्हीं हमलों को आधार बनाकर मैंने लज्जा नाम से एक उपन्यास लिखा था। लेकिन तत्कालीन खालिदा जिया सरकार ने मेरे उस उपन्यास पर प्रतिबंध लगा दिया था। मेरी आपसे यह भी प्रार्थना है कि उस किताब पर लगा प्रतिबंध आप हटा दें, क्योंकि मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि लज्जा पढ़ने पर वहां के लोगों का अल्पसंख्यक हिंदुओं के प्रति कट्टरवादी और हिंसक रवैया बदलेगा। आपके बाद शायद ही कोई महिला बांग्लादेश में सत्ता के शीर्ष पर पहुंचे। इसलिए भी एक स्त्री होने के कारण आपसे मेरी प्रार्थना है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ इस हिंसा को रोकें।

धर्मनिरपेक्षता के सपने के साथ जिन लोगों ने इकहत्तर में बांग्लादेश में मुक्तियुद्ध को अंजाम दिया था, कुछ गलत लोग लंबे समय से उस धर्मनिरपेक्षता को ध्वस्त करने के एजेंडे में लगे हुए हैं। उस धर्मनिरपेक्षता को फिर से शक्तिशाली और प्रासंगिक बनाने की क्षमता आप ही में है। हम सभी जानते हैं कि हाल के दशकों में वहां एक नई पीढ़ी आकार ले चुकी है, जिसकी असहिष्णुता तथा गैर-मुस्लिमों व नारियों के प्रति विद्वेष की भावना धीरे-धीरे भीषण होती गई है। ये लोग ईर्ष्या, घृणा और विद्वेष के हथियारों के साथ अपने पड़ोसियों पर हमला बोलने के लिए दौड़ रहे हैं। दूसरी भाषा और दूसरी संस्कृति के साथ रह न पाने के कारण ही इकहत्तर में हम अपनी बांग्ला भाषा और संस्कृति के साथ अलग हुए थे। आज अगर बंगाली ही दूसरे बंगाली को निशाना बनाए, तो इकहत्तर के हमारे शत्रु के ही हाथ मजबूत होंगे।

प्रकृति और मानव: बीती त्रासदियों से सबक ही बचाव का एकमात्र उपाय

नरेंद्र भारती

देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती हैं तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। प्रकृति रौद्र रुप दिखाकर तबाही मचा रही है। उतराखंड में प्रकृति मौत का तांडव कर रही है। दर्दनाक मौतें हो रही हैं। ताजा घटनाक्रम में उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश से बादल फटने से और भूस्खलन से 14 मजदूरों समेत 40 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मजदूर जिंदा दफन हो गए। नदियों का जलस्तर खतरे के निशान पर आ गया है। प्रतिवर्ष लाखों लोग मारे जाते हैं। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते, लेकिन जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती हैं, मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। प्रकृति की इस त्रासदी से हर भारतीय गमगीन है। प्रकृति का यह तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा है। कारें कागज की कश्तियों की तरह बह गईं। मकान पानी में डूब गए हैं। उतराखंड में प्रकृति ने पहले भी प्रलय की इबारत लिखी थी। चमोली जिला के तपोवन में ग्लेशियर टूटकर ऋषि गंगा नदी में गिरा था और तबाही का मंजर पल भर में लोगों को लील गया था। ऋषि गंगा नदी के किनारे रैणी गांव में ऋषि गंगा पावर प्रोजेक्ट तहस नहस हो गया था और दर्जनों लोगों की जान चली गई थी। 16 लोगों को एनडीआरएफ ने बचा लिया था, लेकिन 204 लोग लापता हो गए थे, जबकि 34 शव बरामद किए गए थे। यह बहुत ही बड़ी त्रासदी थी। पल भर में लोग बह गए और लापता हो गए थे। चमोली में लापता लोगों की तलाश के लिए अब जियोग्राफीकल स्कैनिंग की गई थी। गत 25 जुलाई 2021 को किन्नौर जिला के बटसेरी के गुसां के पास चट्टानें गिरने से पर्यटकों की गाड़ी के भूस्खलन की चपेट में आने के कारण 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे। बास्पा नदी पर बना पुल भी टूट गया था। साल 2020 में अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में तबाही मचा दी थी। 80 लोग अकाल बेमौत मारे गए थे। लाखों लोग बेघर हो गए थे। पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इलाके जल्मगन हो गए थे। अक्तूबर 1999 में भी ओडिशा में तूफान ने काफी तबाही मचाई थी। प्रकृति की इस विभीषिका में हजारों लोग अपंग हो गए थे। बच्चे अनाथ हो गए थे, लाशें मलबे में दफन हो गई थीं। 2021 में हिमाचल में प्रकृति ने प्रलय की इबारत थी। किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रकृति ने मौत का तांडव मचाया था। सैकड़ों लोगों की अकाल मौत हो गई थी। प्रकृति ने रौद्र रुप दिखाकर मानव को आगाह कर दिया है कि संभल जा अभी भी समय है।भूस्खलन व बाढ़ से चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी और 12 लोग लापता हो गए थे। धर्मशाला के

भगसूनाग में भंयकर तबाही हुई थी। कुपवी में तीन मंजिला मकान जमींदोज हो गया था। कुदरत के इस कहर से हर हिमाचली दहशत में था। प्रकृति ने मानव को समय पर आगाह किया, मगर इंटरनेट की दुनिया के जाल में फंसा मानव खुद को प्रकृति से बड़ा मानने लगा था। उसे यह आभास नहीं था कि प्रकृति सबसे बड़ी गुरु है। प्रकृति ने बहुत कुछ सहा है। प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती। प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता, प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है। मानव कृतघ्न बनता जा रहा है। मानव ने स्वार्थो की पूर्ति के लिए प्रकृति को लहूलुहान किया है। आज प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। तबाही की इबारत लिख दी है। मानव का अहम मिटाकर रख दिया है। गलतफहमियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुके हैं। अतीत में की गए कुकर्मो का पश्चाताप कर रहे हैं। चारों तरफ गंदगी है वातावरण अशुद्ध हो गया है। वातवरण की शुद्धि के लिए प्रकृति मजबूर हो गई और मगरुर हो चुके इंसान का गुरुर तोड़ कर रख दिया है। अनजाने में हुई भूल को माफ किया जा सकता है मगर जानबूझकर की गई गलतियों की सजा प्रकृति ने मानव को दे दी है। मानव को जीवन और मौत की परिभाषा सिखा दी है। यह प्रलय की आहट है। कुदरत ने भटक चुके मानव को पाप और पुण्य का अंतर समझा दिया है। प्रकृति का एक संदेश है भटक चुके व अहंकारी इंसान के लिए जो कुदरत से खिलवाड़ करता था। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवनशैली बदलनी होगी, छेड़छाड़ बंद करनी होगी। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। कुदरत का कहर बरपता रहेगा। यह प्रकृति का एक ट्रेलर ही है, अगर अब भी मानव ने प्रकृति से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रकृति पूरी पिक्चर दिखएगी तब होश आएगा वक्त अभी संभलने का है। कहते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परंतु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते हैं। गत वर्ष उत्तराखंड में प्रकृति का रौद्र तांडव हुआ था, एक अविस्मरणीय त्रासदी थी। प्रलय में असमय व अकाल ही निर्दोष लोग मारे गए थे। कुछ बच गए थे कुछ लापता हो गए थे। प्रकृति समय-समय पर आगाह करती रहती है मगर फितरती हो चुका मानव खुद को समझकर समझता है मगर प्रकृति ने एक छोटे से झटके से उसको औकात दिखा दी है। सरकार ने मुआवजे की घोषणा कर दी है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है। प्रकृति से खेलना बंद करना होगा। यह प्रलय निरंतर होते रहेंगे। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है, मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भुला दिया जाता है।

अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते हैं और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारों को इन आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवों के लोगों को जागरूक किया जाए। तभी तबाही से बचा जा सकता है। देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिंदगियां लील रहा है। देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदियां हो रही हैं। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरों तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए, जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए, ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों केा मौत के मुंह से बचा सके। अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुंचती हैं तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती हैं, लाशों के ढेर लग जाते हैं। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी मॉकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए, ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलों व कॉलेज में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवकों को आपदा से निपटने के लिए पारंगत किया जाए। अगर यही स्वयंसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताएं तो काफी हद तक नुकसान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए, ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्निशमन के कर्मचारियों को भी समयपर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएंगे तो तबाही कम हो सकती है।

बारिश के बाद बदली चंडीगढ़ की आबोहवा, शहर की हवा क्रिस्टल की तरह साफ, अब खुलकर लीजिए सांस

चंडीगढ़। बारिश ने शहर की आबोहवा को बदल कर रख दिया है। प्रदूषण के कण हटने के बाद बारिश से शहर की हवा अब क्रिस्टल क्लीयर हो गई है। हवा में जैसे प्रदूषण की मात्रा बची ही नहीं है। अब इस खुली हवा में जी भरके सांस लिया जा सकता है। बारिश के बाद रविवार सुबह से ही एयर क्वालिटी इंडेक्स बेहतर हो रहा है। सोमवार को सुबह तो कम होकर यह 32 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर तक पहुंच गया। एक्यूआइ को 50 से नीचे बेहद अच्छा माना जाता है। यह हवा सांस लेने के लिए एकदम स्वच्छ होती है। वर्षों बाद ऐसा हुआ है जब अक्टूबर में दूसरी बार एक्यूआई 50 से नीचे आया है। इससे पहले दशहरे के बाद हुई बारिश से भी यह कम होकर 38 तक आ गया था। दूसरे

शहरों की हवा भी साफ सिर्फ चंडीगढ़ ही नहीं यह बारिश आस-पड़ोस के राज्यों में भी हुई, जिसका असर प्रदूषण पर पड़ा है। आस-पास के शहरों में भी प्रदूषण का स्तर बेहद कम हुआ है। सोमवार को पंचकूला का एक्यूआइ 49 दर्ज किया गया। इसी तरह से हरियाणा के जिन शहरों में बारिश से पहले एक्यूआइ 250 के पार पहुंच गया था अब वहां भी यह 100 से नीचे आ गया है। सोमवार सुबह अंबाला का एक्यूआई 43, कुरुक्षेत्र का 59 दर्ज किया गया। इसी तरह से पंजाब के शहरों का हाल भी कुछ ऐसा ही है। लुधियाना का एक्यूआइ 64 और जालंधर का 48 दर्ज किया गया। देश की राजधानी को भी राहत की सांस प्रदूषण की चादर से लिपटी देश की राजधानी नई दिल्ली भी अब इसके चंगुल से बाहर आ गई है।

सोमवार को नई दिल्ली का एक्यूआइ 89 तक आ गया, रविवार से पहले तक यह 200 से भी पार पहुंचने लगा था। फरीदाबाद और गुरुग्राम जैसे सबसे प्रदूषित शहर भी अब ग्रीन जोन में आ गए हैं। फरीदाबाद का एक्यूआइ 74 दर्ज किया गया। प्रमुख शहरों का सोमवार सुबह एक्यूआइ लेवल एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) को 0-50 के बीच 'बेहतर', 51-100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'खराब', 201 से 300 के बीच 'बेहद खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत ज्यादा खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

पानीपत में एक्सपोर्ट हाउस की आग ने किया बेघर, 22 परिवारों को शिफ्ट करके दिए फ्लैट

पानीपत जाटल रोड पर यूनाइटेड ओवरसीज में लगी आग ने 22 से ज्यादा परिवारों को बेघर कर दिया है। जब तक घरों की मरम्मत नहीं हो जाती, तब तक इन परिवारों को असंध रोड पर दो नहरों के बीच इंपीरियल फ्लैट में रखा जाएगा। अस्थायी तौर पर वहां रह सकेंगे। उधर, लोगों ने प्रशासन की संवेदना पर सवाल उठाए हैं। जिस ट्राली में कचरा उठाया जाता है, उसी ट्राली को यहां पर सामान लोडिंग के लिए भेज दिया है। पानीपत के जाटल रोड पर एक्सपोर्ट हाउस में चार दिन पहले आग लग गई थी। फैक्ट्री तो पूरी तरह से खाक हुई ही, साथ ही तीन कालोनी के लोगों पर भी इस आग का असर हुआ। आसपास के घरों की दीवारों में दरार आ गई। मकान न गिर जाएं, इस आशंका से प्रशासन ने इन परिवारों को कह दिया कि अपने घर नहीं जाना है। गलियों में बैरिकेड लगा दिए। इस वजह से लोगों को खुले आसमां के नीचे रहना पड़ा। जैसा है, वैसा ही मकान बनाकर दो लोगों ने कहा कि हमारा मकान जैसा था, वैसे ही बनाकर दो। केवल मरम्मत से क्या होगा। मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उनका लाखों रुपये का सामान जल गया है। उसकी भरपाई कौन करेगा। इन लोगों के सवालों का जवाब प्रशासन के पास फिलहाल नहीं है। नगर निगम के एक्सईएन प्रदीप कल्याण, एसडीओ विनोद, एसएचओ योगेश कटारिया मौके पर मौजूद रहे। दुकानदारी ठप हो गई, बच्चों की फीस कैसे भरेंगे लोगों को चिंता है कि बच्चों की स्कूल की फीस कैसे भर सकेंगे। यहां पर कास्मेटिक की दुकान चलाने वाली प्रीति ने बताया कि करवाचौथ के पर्व को देखते हुए लाखों का माल मंगाया था। पूरा सामान खराब हो गया है। डाक्टर बंगाली का कहना है कि दवाइयां खराब हो चुकी हैं। इसकी भरपाई कैसे होगी। जिन लोगों ने लोन लेकर काम शुरू किया था, उनके सामने किस्त भरने की चुनौती है। उनकी रातों की नींद उड़ चुकी है।

तरनतारन में कमिशन एजेंट ने की ट्रक चालक की हत्या, तेजधार हथियारों से हमला कर बेटे को भी किया घायल

तरनतारन। तरनतारन के गांव सभरा की अनाज मंडी में कमिशन एजेंट जगतार सिंह ने तेजधार हथियारों से हमला करके ट्रक चालक की हत्या कर दी जबकि उसके बेटे को घायल कर दिया। ट्रक चालक बलविंदर सिंह को गांव सभरा की अनाज मंडी के कमिशन एजेंट जगतार सिंह ने ट्रक लोड करके धान मंडी अहमदगढ़ भेजी। वहां पर शेलर मालिक ने धान में नमी ज्यादा होने की बात कहते अधिक पैसे काट लिए। ट्रक चालक बलविंदर सिंह अपने बेटे दलजीत सिंह और रंजीत सिंह समेत हिसाब देने कमिशन एजेंट जगतार सिंह के पास गया। आरोपित जगतार सिंह ने तेजधार हथियारों से लैस होकर उसपर व बेटे हमला कर दिया। मौके पर ट्रक चालक बलविंदर सिंह की मौत हो गई जबकि रंजीत सिंह घायल हो गया। उसको अमृतसर के निजी अस्पताल भेज दिया गया है। थाना सदर पट्टी के मुखी लखबीर सिंह ने बताया कि शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जबकि आरोपित अभी फरार है। पुलिस जल्द आरोपित को गिरफ्तार कर लेगी।

मिशन वैक्सीन, कोरोना संक्रमण से पूरी सुरक्षा तभी मिलेगी जब कोविड रोधी वैक्सीन की दोनों डोज लगी होगी

चंडीगढ़। विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर बिल गेट्स तक आज अगर भारत को रिकार्ड नौ महीने में 100 करोड़ कोविड रोधी वैक्सीन लगाए जाने के लिए आश्चर्य मिश्रित बधाइयां दे रहे हैं तो यकीनन भारत इसका हकदार है। 16 जनवरी 2021 को जब यह अभियान शुरू हुआ था तो सबको आशंका थी कि क्या भारत इस साल दिसंबर तक यह मिशन पूरा कर लेगा? तमाम विदेशी एक्सपर्ट ही नहीं देशी एक्सपर्ट और साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी शक था कि भारत इस मिशन को समय रहते पूरा कर लेगा। लेकिन सचमुच भारत की विशाल श्रमशक्ति ने यह कर दिखाया। यह सचमुच खुशी से आह्लादित कर देने वाली उपलब्धि है। इतने कम समय में यह उपलब्धि हासिल करके भारत ने सचमुच अजूबा कर दिखाया है। 19 अक्टूबर 2021 तक दुनिया के 212 देशों में जिन लोगों को कोविड रोधी वैक्सीन की कम से कम एक डोज दी जा चुकी थी, ऐसे लोगों की कुल संख्या तीन अरब 78 करोड़ 35 लाख थी। इनमें से चीन के बाद अकेले भारत के 1,00,15,65,895 (पहली और दूसरी डोज सहित) लोग थे। हालांकि चीन का दावा भी संदिग्ध है, क्योंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। भारत ने कोरोना टीकाकरण के मामले में सचमुच दुनिया को हैरान कर दिया है। हालांकि टीकाकरण के मामले में भारत की यह कोई पहली उपलब्धि नहीं है, देश इसके पहले पोलियो उन्मूलन अभियान में भी अपनी यह ताकत दिखा चुका और हर साल सामान्य समय में भी दिखाता है। भारत में हर साल दुनिया का सबसे बड़ा सरकारी टीकाकरण अभियान चलता है, जिसमें करीब 2.7 करोड़ नवजातों को और लगभग 10 करोड़ बच्चों को टीका लगता है। लेकिन व्यावहारिक क्षमता के बावजूद लोगों को यकीन नहीं था कि कोविड रोधी वैक्सीन अभियान इस कामयाबी के साथ निपट जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिल्कुल सही कहा है कि दुनियाभर में लोग भारत की तरह तरह से असफलता की कल्पना कर रहे थे। किसी को लग रहा था भारत सप्लाई चेन नहीं मेंटेन कर पाएगा। किसी को लग रहा था कि इसके लिए जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर ध्वस्त हो जाएगा, तो किसी का मानना था कि टीका लगवाने का लोग जबरदस्त विरोध करेंगे। लेकिन इनमें से कोई समस्या सामने नहीं आई। आज भारत की करीब 73 प्रतिशत वयस्क आबादी को कम से कम एक डोज लग चुका है, जबकि 30 फीसद को दोनों डोज मिल चुकी है। यह वास्तव में दुनिया का सबसे बड़ा सार्वभौमिक टीकाकरण अभियान है। देश में इसके लिए 3,48,000 सरकारी, जबकि करीब 28,000 निजी टीकाकरण केंद्र काम कर रहे हैं। यही नहीं, इस पूरे अभियान में 23 लाख आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भी अथक मेहनत शामिल है। इतने कम समय में अगर यह अभियान पूरा हुआ तो इसमें दो और छिपी हुई बड़ी वजहें हैं। एक वजह है भारत की उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी और दक्ष भारतीय युवा तथा कारपोरेट जगत की टीका बनाने की दक्षता। भारत ने 100 वर्षों की इस सबसे बड़ी और रहस्यमयी बीमारी से निपटने वाले टीकों का सबसे ज्यादा उत्पादन किया है। दुनिया का कोई देश इस मामले में भारत की बराबरी नहीं कर सका है, न चीन और न ही अमेरिका। दुनिया के बाकी देशों की तो कोई तुलना ही नहीं है। देश में मौजूद एक बेहद मजबूत सप्लाई चेन की भी इस उपलब्धि में बड़ी भूमिका है। भारत के पास इस समय विश्व की तीसरे नंबर की सबसे बड़ी कोल्ड स्टोरेज सप्लाई चेन है। व्यापक रेल नेटवर्क, सड़कों का संजाल और हवाई यातायात ने भी हमारी इस उपलब्धि में भूमिका निभाई है। कुल मिलाकर यह समूचे भारत की उपलब्धि है। लेकिन इस उपलब्धि के आखिर क्या मायने हैं? यह तय है कि करीब 30 करोड़ वयस्कों को पूरी तरह टीका लग चुका है। जबकि 70 करोड़ वयस्कों को पहली डोज मिल चुकी है, मगर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अभी करीब 20 करोड़ ऐसे भारतीय भी हैं, जिन्हें एक टीका भी नहीं लगा। भले इसका कारण वैक्सीन को लेकर हिचक हो या लापरवाही। हमें ध्यान रखना चाहिए ये लोग इस अभियान की कमजोर कड़ी भी साबित हो सकते हैं। उनकी हिचक तोड़ना जरूरी है। इसी तरह खबरें आ रही हैं कि लोग दूसरा डोज नहीं लगवा रहे, इस पर फोकस करने की आवश्यकता है। लोगों को समझाना होगा कि इस बीमारी से पूरी तरह सुरक्षा तभी मिलेगी जब दोनों डोज लगे होंगे।

खुलकर बाहर आ रही देवीलाल व चौटाला परिवार के राजनीतिक वारिसों की कड़वाहट

चंडीगढ़। हरियाणा के सिरसा जिले की ऐलनाबाद विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव में जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल रहा है। प्रदेश के पांच बार मुख्यमंत्री रह चुके इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला के दोनों बेटे अजय सिंह चौटाला और अभय चौटाला इस चुनाव में एक-दूसरे को घेरने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने दे रहे। देवीलाल परिवार के इन दोनों राजनीतिक वारिसों में कड़वाहट इस कदर बढ़ गई कि कोई किसी का नाम तक सुनने को तैयार नहीं है। अजय सिंह और अभय सिंह दोनों कभी राजनीति में घी-शक्कर हुआ करते थे, मगर आज हालात पूरी तरह से बदले हुए नजर आ रहे हैं। ऐलनाबाद में 30 अक्टूबर को चुनाव होने वाला है। दीपावली से पहले दो नवंबर को नतीजे आएंगे। सिरसा जिले को ताऊ देवीलाल के परिवार की राजनीति का गढ़ माना जाता है। जब से इस परिवार में राजनीतिक बिखराव हुआ है, तब से यहां अपना रुतबा बरकरार रखने की जंग चल रही है। अब जबकि ऐलनाबाद विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं तो यहां जीत हासिल करने के लिए देवीलाल व चौटाला परिवार के सदस्य पूरा दमखम लगाने में जुटे हैं। देवीलाल परिवार के करीब एक दर्जन सदस्य प्रत्यक्ष रूप से ऐलनाबाद के चुनाव में कूदे हुए हैं। इनेलो महासचिव अभय सिंह चौटाला द्वारा तीन कृषि कानूनों के विरोध में इस्तीफा देने के बाद यह सीट खाली हुई थी। वे दोबारा फिर ऐलनाबाद के रण में ताल ठोंक रहे हैं। उनके विरुद्ध भाजपा-जजपा-हलोपा गठबंधन ने पूर्व मंत्री व सिरसा के हलोपा विधायक गोपाल कांडा के भाई गोबिंद कांडा को चुनाव मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने भाजपा से दो बार चुनाव लड़ चुके पवन बैनीवाल को टिकट दिया है, जबकि 40 साल से पुराने कांग्रेसी भरत बैनीवाल को नजरअंदाज कर दिया है। ऐलनाबाद के इस रण में अभय चौटाला के साथ उनके पिता ओमप्रकाश चौटाला और सुनैना चौटाला पूरी जिम्मेदारी के साथ फील्ड में

घूम रहे हैं। गोबिंद कांडा के लिए जननायक जनता पार्टी के अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला, उनके बेटे दुष्यंत चौटाला व दिग्विजय चौटाला, विधायक नैना सिंह चौटाला, निर्दलीय उम्मीदवारों के कोटे से मनोहर सरकार में कैबिनेट मंत्री बने रंजीत सिंह चौटाला और भाजपा के जिला अध्यक्ष आदित्य देवीलाल चौटाला प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस के लिए देवीलाल परिवार के डा. केवी सिंह और डबवाली के विधायक अमित सिहाग का नाम प्रचार के लिए लिया जा रहा है। दुष्यंत चौटाला और नैना चौटाला की अपेक्षा अजय सिंह चौटाला और दिग्विजय चौटाला खुलकर चुनावी रण में अपने भाई अभय सिंह और पिता ओमप्रकाश चौटाला को चुनौती दे रहे हैं। चुनावी रण में कई बार ऐसे मौके आए, जबकि अजय सिंह व दिग्विजय ने अपने दादा ओमप्रकाश चौटाला व अभय सिंह चौटाला पर आरोप लगाए कि वह दिन दूर नहीं, जब लोग कहेंगे कि एक इनेलो भी कभी हुआ करती थी। इसके विपरीत अभय सिंह चौटाला अपनी जीत के प्रति आश्वस्त हैं और कहते हैं कि जिस भाजपा के खिलाफ यह लोग वोट लेकर जीते, उसी भाजपा की गोद में बैठकर प्रदेश को बर्बाद करने पर तुले हैं। अजय चौटाला कहते हैं कि अभय ने 86 साल की उम्र में पिता ओमप्रकाश चौटाला को प्रचार के लिए बस में चढ़ा दिया, जबकि अभय चौटाला कह रहे हैं कि लोग इन्हें गांवों में घुसने भी नहीं देंगे और यह गढ़ तो मेरा ही रहेगा।

चंडीगढ़ में पटाखों पर पाबंदी, लेकिन विरोध के बाद आज फिर होगी रिव्यू मीटिंग, ग्रीन क्रेकर्स मिल सकती है मंजूरी

चंडीगढ़ दिलावी पर पटाखे जलेंगे या नहीं यह आज पुख्ता हो जाएगा। हालांकि प्रशासन ने शहर में पटाखों पर पाबंदी लगाई है, लेकिन इस फैसले का विरोध भी हो रहा है। ऐसे में पटाखों पर पाबंदी के फैसले को आज दोबारा रिव्यू किया जाएगा। इस पर प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक मीटिंग बुलाई है। इस मीटिंग में अधिकारियों से हर पहलू पर चर्चा होगी। पंजाब हरियाणा और राजस्थान सहित कई राज्यों ने ग्रीन क्रैकर्स को मंजूरी दे रखी है। चंडीगढ़ में भी इन पटाखों को मंजूरी देने की मांग हो रही है। चंडीगढ़ क्रेकर्स डीलर्स एसोसिएशन इसके लिए लगातार मांग कर रही है। वह सत्तासीन भाजपा और अन्य राजीनिक दलों पर दबाव बना रहे हैं। भाजपा पर इस का दबाव है। एसोसिएशन का कहना है कि प्रशासन ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के ऑर्डर का हवाला देते हुए पटाखों पर रोक

लगाई है। यह ऑर्डर केवल चंडीगढ़ के लिए नहीं थे पूरे देश के लिए थे तो दूसरे राज्यों ने कैसे इसको मंजूरी दी है। इन राज्यों की तरह चंडीगढ़ में भी ग्रीन पटाखों को मंजूरी दी जानी चाहिए। भाजपा अध्यक्ष अरुण सूद ने बताया कि वह इस मामले पर प्रशासन के अधिकारियों से चर्चा कर रहे हैं। दूसरे राज्यों ने कैसे मंजूरी दी है। उसको देखा जा रहा है। प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि ग्रीन क्रेकर्स की मंजूरी चंडीगढ़ में भी दी जानी चाहिए। पंजाब और हरियाणा में मंजूरी पंचकूला और मोहाली में पटाखों को मंजूरी है। ऐसे में अकेले चंडीगढ़ में पटाखे बैन करने से कोई फायदा होने वाला नहीं है। इन दोनों शहरों से पटाखे चंडीगढ़ लाए जाएंगे। इसको पूरी तरह से रोक पाना बस की बात नहीं है।

प्रशासन इन सब बातों पर गौर कर रहा है। पुलिस और एस्टेट ऑफिस की टीम मिलकर काम करेंगी। एंफोर्समेंट विंग को आदेश दिए गए हैं। चंडीगढ़ में अब प्रदूषण की स्थिति भी सामान्य हो गई है। एयर क्वालिटी इंडेक्स लेवल 50 से भी नीचे आ गया है। बारिश के बाद इस पर ज्यादा फर्क पड़ा है। इसको देखते हुए भी प्रशासन विचार कर सकता है। प्रदूषण पटाखों पर पाबंदी की मुख्य वजह रहा है।

हिसार में सिगरेट उधार नहीं दी तो दुकान मालिक और उसके भाई को पीटा, दुकान का सामान भी तोड़ डाला

हिसार। हिसार में घोड़ा फार्म रोड पर तीन युवकों ने सिगरेट उधार न देने पर एक दुकान मालिक से मारपीट कर दुकान में भी तोड़फोड़ कर दी। मामले में पीड़ित सत्य नगर निवासी बोबी गुप्ता ने सिविल लाइन थाना पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने घोड़ा फार्म रोड पर परचून की दुकान कर रखी है। 24 अक्टूबर को शाम छह बजे वह और उसका भाई गौरव गुप्ता दोनों दुकान पर बैठे थे। उसी समय सत्य नगर निवासी कमलजीत उर्फ कमलू, विशाल पंडित वासी ऋषि नगर और अजय उर्फ लाला वासी ऋषि नगर तीनों उनकी दुकान पर आए। उनमें से कमलजीत ने उससे सिगरेट की डिब्बी मांगी तो उसने कहा उसकी पहली वाली उधार भी बकाया है। वह उधार में सिगरेट नहीं देगा। आरोपितों ने उसे कहा कि उसने उनकी बेइज्जती कर दी। आरोपित उसे बोले की थोड़ी देर रुको सबक सिखाते हैं। इसके बाद वे चले गए। करीब एक घंटे बाद शाम सात बजे तीनों आरोपित उसकी दुकान पर आए और उस पर तथा उसके भाई गौरव पर हमला कर दिया। पीड़ित ने बताया कि विशाल पंडित ने डंडे से उन दोनों भाइयों पर वार किया। उसने अपना बचाव किया तो उसके दोनों हाथों पर विशाल पंडित ने डंडा मारा। इस दौरान लाला और कमल ने उसकी दुकान का सारा सामान तोड़ दिया और उसके भाई गौरव पर भी हमला कर दिया। विशाल पंडित ने उसके भाई गौरव के बाएं हाथ पर डंडे से तीन चार बार वार किए, जिससे गौरव का हाथ भी फट गया। इसके बाद वे तीनों उन्हें डंडे और लात-मुक्को से उन्हें पीटने लगे। वे बोले कि उन्हें जान से खत्म करेंगे। उस दौरान उन्होंने मुश्किल से भागकर अपनी जान बचाई। उसके चाचा सर्वेक्ष ने उसे सिविल अस्पताल में दाखिल करवा दिया। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

पंजाब कांग्रेस अरूसा आलम मामले में बैकफुट पर, नवजोत सिद्धू बोले- अब मूल मुद्दों पर लौटे पार्टी

चंडीगढ़। कैप्टन अमरिंदर सिंह की पाकिस्तानी दोस्त अरूसा आलम के मामले में पंजाब कांग्रेस अब बैकफुट पर आ गई है। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि कि पार्टी को अब मूल मुद्दों पर लौटना चाहिए। दरअसल पंजाब कांग्रेस में चल रही अंतरकलह के बीच पार्टी के सांसद मनीष तिवारी ने पूर्व प्रदेश प्रभारी हरीश रावत और नवजोत सिंह सिद्धू पर निशाना साधा। मनीष तिवारी ने कहा है कि पंजाब कांग्रेस में जो हो कुछ हो रहा है वैसी अराजकता 40 वर्षों में नहीं देखी। इसके बाद पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू बैकफुट पर आते दिखाई दिए। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस को अब मूल मुद्दों पर लौटना चाहिए। बता दें कि पंजाब के मंत्री और नेता पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह की पाकिस्तानी मित्र अरूसा आलम को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि सिद्धू ने इसे रोकने के लिए यह बयान दिया है। बता दें कि पिछले दिनों पंजाब के उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कैप्टन अमरिंदर सिंह की पाकिस्तानी मित्र अरूसा आलम का मुद्दा उठाया और ट्वीट कर कहा कि आरूसा आलम के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से संबंध की जांच के डीजीपी को आदेश दिए गए हैं। इसके बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह की टीम व शिरोमणि अकाली दल ने उन पर निशाना साधा और रंधावा खुद घिरते दिखे। इसके बाद उन्होंने अपना ट्वीट कर दिया। बाद रंधावा ने सफाई दी कि इस मामले की जांच केंद्र सरकार ही करा सकती है। इसी बीच कांग्रेस नेताओं की अरूसा मामले पर बयानबाजी जारी रही। पंजाब के परिवहन मंत्री अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और नवजोत सिद्धू की पत्नी डा. नवजोत कौर सिद्धू ने भी अरूसा मामले में कैप्टन अमरिंदर सिंह पर हमला किया। मनीष तिवारी ने हरीश रावत व सिद्धू पर हमला किया, कहा- 40 वर्षों में ऐसी अराकता नहीं देखी इसके बाद रविवार को इस विवाद पर मनीष तिवारी ने ट्वीट किया और हरीश रावत व नवजोत सिंह सिद्धू पर हमला किया। तिवारी ने लिखा, 40 वर्षों में मैने ऐसी अराजकता कभी नहीं देखी। वहीं, प्रदेश प्रधान पद से इस्तीफा दे चुके नवजोत सिंह सिद्धू ने भी अपनी बात को रखने के लिए ट्वीट का ही सहारा लिया। आरूसा आलम मामले में कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी पर लगाम लगाने के लिए सिद्धू आगे आए और ट्वीट में लिखा कि हमें वास्तविक मुद्दों पर वापस आना चाहिए। हम वित्तीय आपातकाल का मुकाबला कैसे करेंगे, जो हमारे लिए बड़ी चुनौती है। सिद्धू बोले, वास्तविक मुद्दो पर वापस आना चाहिए दोनों ही नेता के ट्वीट से पंजाब कांग्रेस में उठापटक और घमासान थमता नहीं दिख रहा है। क्योंकि, कांग्रेस 2022 के चुनाव को लेकर सारा नजला कैप्टन अमरिंदर सिंह पर गिराने में जुटी हुई है। इसी क्रम में डिप्टी उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा कैप्टन की महिला मित्र अरुसा आलम को लेकर खासे मुखर हैं। वहीं, कैप्टन अमरिंदर सिंह और हरीश रावत लगातार ट्वीट कर एक दूसरे पर हमले कर रहे हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह के करीबी सांसद माने जाने वाले सांसद मनीष तिवारी ने पंजाब कांग्रेस में विवाद व घमासान के लिए पूर्व प्रभारी हरीश रावत और नवजोत सिंह सिद्धू को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा, मैंने 40 साल में कांग्रेस में ऐसी अराजकता कभी नहीं देखी। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष और उनके सहयोगी हाईकमान की खुली अवहेलना कर रहे हैं, बच्चों की तरह एक-दूसरे के साथ सार्वजनिक रूप से झगड़ रहे हैं। एक-दूसरे के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्या हम सोचते हैं कि पंजाब के लोग इस 'नौटंकी' से घृणा नहीं करते हैं बेअदबी, नशा, बिजली और अवैध रेत खनन के मुद्दे कहां हैं। बेअदबी, नशा, बिजली और अवैध रेत खनन वो मुद्दे है जिन्हें लेकर कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ कांग्रेस के विधायकों व मंत्रियों ने बगावत शुरू की थी। इस बगावत के कारण कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा देना पड़ा लेकिन मनीष तिवारी ने इस मुद्दे को पुन- उठा कर बता दिया है कि यह मुद्दे अभी भी वहीं पर खड़े है। इसके बाद पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पूरे मामले पर बैकफुट पर आते नजर आए। नवजोत सिद्धू ने ट्वीट कर कांग्रेस नेताओं को नसीहत दी। 13 सूत्रीय एजेंडे और कैप्टन अमरिंदर सिंह को फसल विविधीकरण के जरिये अंबानी को पंजाब में एंटी दिलवाने को लेकर आलोचना करने वाले नवजोत सिंह सिद्धू ने ट्वीट कर लिखा है कि हमें अब वास्तविक मुद्दों पर वापस आना चाहिए। क्यों कि कांग्रेस के मंत्री पिछले दो दिनों से कैप्टन की महिला मित्र अरुसा आलम को लेकर लगातार हमले कर रहे है। सिद्धू ने लिखा कि हमें पंजाब के वास्तविक मुद्दों पर वापस आना चाहिए, जो हर पंजाबी और हमारी आने वाली पीढियों से जुड़े हैं। सिद्धू ने कहा, हम वित्तीय आपातकाल का मुकाबला कैसे करेंगे जो हमारे लिए बड़ी चुनौती है। मैं असली मुद्दों पर डटा रहूंगा। स्वार्थी लोगों को दूर करें और केवल उस रास्ते पर ध्यान केंद्रित करें जो पंजाब को जीत की ओर ले जाए। राज्य के संसाधनों को निजी जेब में जाने के बजाय उन्हें कौन वापस लाएगा राज्य के पुनरुत्थान की पहल का नेतृत्व कौन करेगा।

सत्ता के गलियारे से: ऐलनाबाद उपचुनाव में बिना पर्ची-बिना खर्ची नौकरी का डंका, पढ़ें हरियाणा की सियासत की रोचक खबरें

चंडीगढ़। सत्ता के गलियारे से- हरियाणा की मनोहर सरकार के बिना पर्ची-बिना खर्ची यानि बिना सिफारिश- बिना रिश्वत के नौकरी देने के नारे का डंका ऐलनाबाद उपचुनाव में भी खूब बज रहा है। इस उपचुनाव की कवरेज के लिए यू-ट्यूबर्स की बाढ़ आई हुई है। जना-जना मोबाइल, कैमरा और माइक हाथ में लेकर पत्रकार बना घूम रहा है। चुनाव लड़ने वाले और प्रचार कर रहे नेता भी उन्हें अपनी-अपनी जरूरत के हिसाब से गले लगा रहे हैं। जिस यू-ट्यूबर्स को जो नेता रास आ जाता है, उसकी जय-जयकार होने लगती है। एक यू-ट्यूबर्स के जरिये ऐलनाबाद के ढूकड़ा गांव की सच्चाई सामने आई। गांव वाले कैमरे पर बोल रहे हैं कि ढूकड़ा के 39 छोरे-छोरियों को बिना एक भी पैसा दिए सरकारी नौकरियां मिली हैं।

निगम में भाजपा की छवि को कालिक पोत रहे है भ्रष्ट अभियंता

करोल बाग जोन, भवन विभाग बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

ए.ई संजीव दारा, ए.ई वाई.पी.सिंह, राजेश शर्मा, सुरेन्द्र सिंह डबास, जे.ई दीपक मेहतो, एन.एस.मीना, पुरूषोत्तम मीना, शुभम जैन, संजीत सोलंकी, विकास कुमार, मुकेश गौड, मनीष दुबे बने अंबानी, निदेशक, सीबीआई कब करेंगे अंबानियों की जांच

(कार्यालय संवाददाता)

नई दिल्ली। करोल बाग जोन, अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा के अध्यक्ष ने कार्यालय संवाददाता को बताया कि सुप्रीम कोर्ट की मॉनीटिंग कमेटी और चेयरमैन एसटीएफ के आदेशों की अनदेखी कर उत्तरी-दिल्ली नगर निगम के करोल बाग जोन, भवन विभाग भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। करोल बाग जोन के अन्तर्गत आने वाले सभी वार्डो में बेलदार और कनिष्ठ अभियंताओं ने प्रति लेंटर अनुसार रेट कार्ड तैयार कर रखा है, जैसे 26 मीटर एक लाख रूपये प्रतिलेंटर, 50 मीटर सवा दो लाख रूपये प्रतिलेंटर 100 मीटर 5 लाख रूपये प्रतिलेटर और अवैध रूप से बनाया गया और बनाया जा रहा तहखाना रेट प्रत्येक लेंटर से डबल हो जाते है और निर्माण की हाईट के अतिरिक्त रकम (काली कमाई) देनी पढ़ती है। 100 मीटर से अधिक में आपर्टमेन्ट बनाना हो तो तीन गुना रकम प्रत्येक लेंटर की दी जाती है। इस अवैध निर्माण के काले कारोबार में क्षेत्रीयें नेता, बेलदार, कनिष्ठ, सहायक, अधिशासी व अधीक्षण अभियंता तक की मिलीभगत होती है। अवैध निर्माण की काली कमाई से बने अंबानियों द्वारा करवायें जा रहे अवैध निर्माण की शिकायत रद्दी की टौकरीयों में डाल दी जाती है। अवैधनिर्माण बदस्तुर युद स्तर पर जारी रहता है। अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता संजीव दारा, वाई.पी.सिंह, राजेश शर्मा, सुरेन्द्र सिंह डबास, कनिष्ठ अभियंता दीपक मेहतो, एन.एस. मीना, पुरूषोत्तम मीना, शुभम जैन, संजीत सोलंकी, विकास कुमार, मुकेश गौड, मनीष दुबे बने अंबानी, निदेशक, सीबीआई कब करेंगे अंबानियों की जांच अपने प्राईवेट और एमसीडी के कर्मचारियों को बेलदार बनाकर गली-गली और सड़कों पर किये जा रहे अवैध निर्माणों की रेकी

करते है और बिल्डर माफिया और सम्पत्ति धारक से मिलीभगत कर अवैध निर्माण से प्रत्येक लेंटर, बेसमेंट, प्लाट में ग्रुप हाउसिंग सोसाईटी और डी.डी.ए नुमा पलैट बनाते है। करोल बाग जोन के वार्ड-103, 102, 100, 99, 98, 97, 96, 95, 94, 93, 92 में किये जा रहे अवैध निर्माणों से 100 करोड़ रूपयें माह की अवैध वसूली अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता संजीव दारा, वाई.पी.सिंह, राजेश शर्मा, सुरेन्द्र सिंह डबास, कनिष्ठ अभियंता दीपक मेहतो, एन.एस.मीना, पुरूषोत्तम मीना, शुभम जैन, संजीत सोलंकी, विकास कुमार, मुकेश गौड, मनीष दुबे और बिल्डर माफियों का गठजोड़ ऐसा है कि जैसे दामन चौली का बिल्डर माफिया डीएमसी एक्ट, अग्निशमन नियमों और सरकारी फुटपाथ, गलीयों, सड़कों पर बगैर नक्शे के अवैध निर्माण कर पूरे वार्डो को स्लम युद्र एरिया बना रहे है और अवैध निर्माण में चार-चार फुट के छज्जे, बेसमेंट, पांच-पांच मंजिला तान देते है। बिल्डर माफिया अभियंताओं को 5 लाख रूपयें लेंटर रिश्वत खोरी का देते है और अभियंताओं का भी पूर्ण आर्शिवाद इन बिल्डर माफिया पर बना रहता है।

सूत्रों अनुसार बताया जाता है कि इस 100 करोड़ो रूपयें माह की काली कमाई का प्रतिशत अनुसार हिस्सा उपायुक्त और अधीक्षण अभियंता को दिया जाता है। 100 करोड़ की काली कमाई का बंदर बांट करने में ससूर जमाई के रिश्तेदार अधिशासी अभियंता, कनिष्ठ अभियंता और बेलदार की मिलीभगत से पूरी इमानदारी से प्रतिशत अनुसार किया जाता है, फिर चाहे सतर्कता अधिकारी हो, स्थानीय एसडीएम हो सब को खुश किया जाता है। समाजसेवी संस्था अपराध एव

निगम में भाजपा की छवि को कालिक पोत रहे है भ्रष्ट अभियंता

करोल बाग जोन, भवन विभाग बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

अवैध निर्माण की काली कमाई से अभियंता से उपायुक्त तक बने "अडानी"

उ.दि.न.नि के मुख्य सतर्कता अधिकारी मंगेश कश्यप बने मूक दर्शक कब तक चलता रहेगा भ्रष्टाचार का खेल

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग, नई दिल्ली

करोल बाग जोन में बिल्डर माफिया का राज सारे वार्ड बनते जा रहे है स्लम युक्त हर वार्ड में चार से पांच मंजिला, बेसमेन्ट सहित अवैध निर्माण धड़ल्ले से किया जा रहा है। अभियंताओं की काली कमाई चल-अचल व बेनामी सम्पत्ति की श्रीमान निदेशक जी, सीबीआई, भारत सरकार से जांच की मांग।

अध्यक्ष: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन-जनहित में जारी.....

एक नजर

सलमान खान स्टारर अंतिम का ट्रेलर अगले हफ्ते होगा रिलीज

एक्टर सलमान खान स्टारर अंतिम द फाइनल ट्रुथ 26 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब खबर सामने आ रही है कि मेकर्स इस एक्शन ड्रामा फिल्म का ट्रेलर अगले हफ्ते रिलीज करेंगे। अंतिम में सलमान के अलावा आयुष शर्मा भी लीड रोल में हैं। फिल्म में सलमान पुलिस वाले और आयुष गैंगस्टर के किरदार में नजर आने वाले हैं। अंतिम मराठी फिल्म मुलशी पैटर्न की हिन्दी रीमेक है। इसे देशभर में पांच भाषाओं हिन्दी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और उड़िया में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का प्रोडक्शन सलमान खान फिल्म्स ने किया है। जबकि डायरेक्शन महेश मांजरेकर ने किया है। सलमान आखिरी बार फिल्म राधे ~ योर मोस्ट वांटेड भाई में दिखाई दिए थे, जो कि फ्लॉप साबित हुई थी। राधे और अंतिम के अलावा सलमान 2021 में पठान और लाल सिंह चड्ढा में कैमियो रोल में दिखाई देंगे।

अभिषेक बचन स्टारर ब्रीद के तीसरे पार्ट की शूटिंग हुई शुरू

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर पिछले साल आई ब्रीद~ इनटू द शैडोज के बाद अब ब्रीद के तीसरे पार्ट की अनाउंसमेंट बुधवार को कर दी गई है। पिछले पार्ट से अभिषेक बचन ही इस बार भी मेन लीड हैं। ब्रीद 3 शूटिंग भी बुधवार से शुरू हो गई है। इस मौके पर प्राइम वीडियो इंडिया की प्रमुख अपर्णा पुरोहित ने कहा, पिछले पार्ट को लोगों का बेहतर प्यार मिला था। इस फ्रेंचाइजी ने कई अवॉर्ड भी जीते हैं। हमारा जो संकल्प है कि हम ऐसी कहानियां कहते रहेंगे, जो देश की सीमाओं को पार कर दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंच सके, वह इस फ्रेंचाइजी से पूरा होता है। वहीं प्रोड्यूसर विक्रम मल्होत्रा ने कहा, मयंक शर्मा ही इसका डायरेक्शन कर रहें हैं। नए किरदार यहां इट्रोड्यूस हुए हैं। नए सीजन को लेकर हम बहुत एक्साइटेड हैं।

अक्षय की सूर्यवंशी को 3000 स्क्रीन्स पर किया जाएगा रिलीज

एक्टर अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म सूर्यवंशी दिवाली के एक दिन बाद 5 नवंबर को रिलीज होने वाली है। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म को देश में करीब 3000 स्क्रीन्स पर रिलीज किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, मेकर्स सूर्यवंशी को रिकॉर्ड संख्या में स्क्रीन पर रिलीज करेंगे। यह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए करो या मरो की स्थिति होगी। मेकर्स सूर्यवंशी की रिलीज के लिए कम से कम 2,600-2,800 स्क्रीन आरक्षित करने की योजना बना रहे हैं। बता दें कि रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को हाल ही में CBFC ने U/A सर्टिफिकेट भी दे दिया है। मूवी को बिना किसी कट के CBFC ने अप्रूव किया है। फिल्म 2 घंटे 25 मिनट की है। इस फिल्म में अक्षय के अलावा कटरीना कैफ भी लीड रोल में हैं। अजय देवगन और रणवीर सिंह फिल्म में गेस्ट अपीरियंस में नजर आएंगे। इस फिल्म को करन जौहर ने प्रोड्यूस किया है।

जॉन अब्राहम ने बतौर प्रोड्यूसर मलयाली फिल्मों में भी रखा कदम, माइक की शूटिंग शुरू

जॉन अब्राहम दिसंबर से मलयाली फिल्म की हिंदी रीमेक तो करने वाले ही हैं, साथ ही वे मलयाली फिल्म इंडस्ट्री में कदम भी रख चुके हैं। वो वहां मलयाली फिल्म माइक को प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म मलयाली सितारों से सजी है। इस फिल्म से एक्टर रंजीत सजीव का डेब्यू हो रहा है। उनके अलावा इस फिल्म में अंस्वरा राजन, जीनू जोसेफ, अक्षय राधाकृष्णन, अबहिरम और सिनी अब्राहम भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को आशिक अकबर अली ने लिखा है। इसकी शूटिंग बुधवार (20 अक्टूबर) से शुरू हो गई है। यह फिल्म केरल के लोकेशनों पर ही शूट होगी।

राजकुमार राव ने हिट के हिंदी रीमेक के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग मुंबई में की शुरू

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव ने पॉपुलर तेलुगु फिल्म हिट के हिंदी रीमेक के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग मुंबई में शुरू कर दी। एक सूत्र ने बताया, टीम ने अपने मुंबई शेड्यूल के लिए काम करना शुरू कर दिया है और राजकुमार राव ने 20 अक्टूबर से इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। सूत्र ने आगे खुलासा किया कि टीम का लक्ष्य नवंबर के पहले सप्ताह में मुंबई शेड्यूल को खत्म करना है। दिवाली के ब्रेक के बाद टीम तीसरे शेड्यूल की शूटिंग मनाली में करेगी। शैलेश कोलानु के निर्देशन में बन रही इस कॉप ड्रामा फिल्म में राजकुमार के अलावा सान्या मल्होत्रा भी लीड रोल में हैं। दिल राजू प्रोडक्शंस और भूषण कुमार ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है।

थैंक गॉड में योहानी के मनिके मगे हिते गाने के हिंदी वर्जन में नोरा-सिद्धार्थ आएंगे नजर

श्रीलंका की सिंगर योहानी इन दिनों अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में खबर सामने आई थी कि मनिके मगे हिते सॉन्ग से पॉपुलर हुईं योहानी अजय देवगन स्टारर फिल्म थैंक गॉड के लिए एक गाना गाएंगी। अब खबर है कि योहानी के इस गाने में नोरा फतेही और सिद्धार्थ मल्होत्रा डांस करते नजर आने वाले हैं। योहानी ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर बातें बताई थीं। दरअसल, योहानी अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह और सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर फिल्म थैंक गॉड के लिए अपने सॉन्ग मनिके मगे हिते को हिंदी में गाने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, योहानी के इस स्पेशल रोमांटिक गाने पर नोरा और सिद्धार्थ एक साथ डांस करते दिखाई देंगे। इंद्र कुमार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में गाना गाने को लेकर योहानी भी काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म अगले साल थिएटर में रिलीज की जाएगी। कहा जा रहा है कि इस गाने को तनिष्क बागची कम्पोज करेंगे और रश्मि विराग इसे लिखेंगी। बता दें कि योहानी कुछ दिनों पहले बिग बॉस 15 के सेट पर होस्ट सलमान खान के साथ नजर आई थीं। जिसका एक वीडियो काफी वायरल हुआ था।

क्रूज से जेल तक का सफरनामा: किंग साइज लाइफ जीने वाले आर्यन अब जेल की फर्श पर सोने को मजबूर, 18 रातों में ऐसे बदले खान के दिन

क्रूज ड्रग्स पार्टी केस में गिरफ्तार हुए अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान अभी आर्थर रोड जेल में ही रहेंगे। बुधवार को सेशंस कोर्ट ने उनकी जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। 14 अक्टूबर को हुई मामले की सुनवाई में मुंबई सेशंस कोर्ट के जज वीवी पाटिल ने सभी पक्षों को सुनने के बाद

फैसला सुरक्षित रखा था। 2 अक्टूबर को आर्यन को मुंबई से गोवा के लिए निकले क्रूज कॉर्डेलिया से पकड़ा गया था। हालांकि, उन्हें 3 अक्टूबर को गिरफ्तार दिखाया गया। पहली बार उन्हें एक दिन और दूसरी बार उन्हें 3 दिन की हृष्टक्रकस्टडी में भेजा गया था। इसके बाद 7 अक्टूबर को आर्यन को 21 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आज उनकी जमानत याचिका खारिज होने के बाद यह तय हो गया है कि उन्हें अभी कई रातें आर्थर रोड जेल में ही बितानी पड़ेंगी। आर्यन का तकरीबन 18 दिनों का यह सफरनामा बेहद उतार चढ़ाव भरा रहा है। लग्जरी लाइफ जीने वाले आर्यन अब जेल में जमीन पर सोने को मजबूर हैं। शुरुआती दिनों में आर्यन ने सिर्फ बिस्कुट से अपना पेट भरा था। क्रूज पर हुई शानदार पार्टी से शुरू हुआ आर्यन का यह सफर अब जेल तक पहुंच चुका है। इस बीच यह जानकारी सामने आ रही है कि बॉम्बे हाईकोर्ट में 1 नवंबर से दिवाली की छुट्टियां शुरू हो रही है। अगर अगले कुछ दिनों में उन्हें जमानत नहीं मिली, तो उनकी मुश्किलें बढ़ भी सकती हैं। अदालत में अब सिर्फ 21, 22, 25 और 29 का ही वर्किंग डे बचा है। आज हम आर्यन खान के क्रूज से जेल तक के इसी सफरनामे के बारे में बताने जा रहे हैं।

अपकमिंग फिल्म: इमरान हाशमी ने बेटे की खराब तबियत में पूरी की 'एजरा' के रीमेक 'डिबुक' की डबिंग

भूत की आवाज के लिए जानवरों और इंसानी क्राउलिंग को मिक्स कर साउंड इफेक्ट पैदा किया गया 'स्त्री' के हिट होने के बाद से मेकर्स का रुझान हॉरर फिल्मों की ओर, भूमि पेडणेकर और जाह्नवी कपूर की फिल्में रिलीज हो चुकी हैं 22 अक्टूबर से महाराष्ट्र के सिनेमाघर खुल रहें हैं, मगर, 'चेहरे' के बाद इमरान हाशमी की एक और फिल्म 'डिबुक' डायरेक्ट ओटीटी पर आ रही है। 'डिबुक' मलयाली फिल्म 'एजरा' की हिंदी रीमेक है। हाल ही में बॉलीवुड ने कई मलयाली फिल्मों की रीमेक के राइट्स लिए हैं। उनमें अजय देवगन मोहनलाल स्टारर 'दृश्यम2' को इस दिसंबर से शूट शुरू करने वाले हैं। बोनी कपूर ने 'वन' के राइट्स लिए हैं। उसमें ममूटी थे। ममूटी की ही एक और फिल्म 'पुथिया नियमम' के राइट्स नीरज पांडे ने लिए हैं। 'डिबुक' एक हॉरर फिल्म है। इस जॉनर की फिल्मों में साउंड सबसे अहम कैरेक्टर होता है। इमरान इससे पहले 'राज' फ्रेंचाइजी की हॉरर फिल्में की हैं। उसके अलावा उनकी 'एक थी डायन' भी आई थी। 'डिबुक' में इमरान हाशमी ने साउंड डिजाइनर के साथ कई दिलचस्प प्रयोग किए हैं। 'डिबुक' और 'एक थी डायन' दोनों के साउंड डिजाइनर मनोज गोस्वामी ही हैं। बातचीत में मनोज गोस्वामी ने कहा, इस फिल्म में हॉरर के एलिमेंट के लिए ओटीटी पर कंटेंट देखने वाले दर्शकों के लिहाज से साउंड डिजाइन हुआ है। थिएटरों में रिलीज होने वाली फिल्मों के लिए तो हम वहां जाकर वहां के स्पीकरों पर डायलॉग्स की साउंड क्वॉलिटी चेक करते हैं। वहां ऑडिएंस को डराने के लिए ढेर सारे स्पीकर्स होते हैं। यहां हमने ब्रांडेड फोन से लेकर चाइनीज फोन पर क्वॉलिटी चेक किए। यहां डराने के लिए लाउड साउंड के बजाय सीन में साइलेंस रखा गया है। सन्नाटे से उपजने वाले डर का यूज हुआ है। पहले की हॉरर फिल्मों में सीन में तेज आवाज यूज होते थे। यहां डर को साउंड या किरदारों के एक्शन से धीरे धीरे बिल्ट अप नहीं किया गया है। सीन में डर की एंट्री अचानक किसी पर हमला या हादसों से करवाई गई है। भूत की आवाज के साथ भी प्रयोग हुए हैं। उनकी आवाजें हाथी की चिंघाड़ या फिर शेर की दहाड़ जैसी न लगे, वह कोशिश यहां हुई है। डर और असरदार हो, उसके लिए इमरान हाशमी ने इस फिल्म के लिए स्टूडियो में अपने डायलॉग्स डबिंग के जरिए डेलिवर करने का फैसला किया।

इस साल जुलाई में सेकेंड वेव ओपन होने पर उन्होंने अपने डायलॉग्स डब किए। वह भी तब, जब उनके बेटे की तबियत खराब थी। मनोज गोस्वामी कहते हैं, डबिंग के मामले में इमरान की रफ्तार तेज है। उन्होंने पूरे फिल्म की डबिंग महज तीन दिनों में पूरी कर दी। वह भी रोजाना महज दो घंटे डबिंग के शेड्यूल में। एक डायलॉग की डबिंग में उन्हें कभी दो से यादा रीटेक नहीं लगते थे।

आर्यन खान केस पर ट्विंकल खन्ना ने जाहिर किया गुस्सा, बोलीं- उसे जेल में सड़ाया जा रहा है

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को आज भी जमानत नहीं मिली है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी बताया जा रहा है कि NCB ने इस केस में कोर्ट को आर्यन के कुछ व्हाट्सएप चैट दिखाए हैं। जिसमें आर्यन पर एक अपकमिंग एक्ट्रेस के साथ ड्रग्स को लेकर बात करने का आरोप लगाया जा रहा है। इस बीच आर्यन की गिरफ्तारी को लेकर हाल ही में ट्विंकल खन्ना का एक पोस्ट जबरदस्त सुर्खियों में आ गया है। जिसमें उन्होंने इस केस की तुलना एक कोरियन ड्रामा सीरीज से कर डाली है। ट्विंकल खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने आर्यन खान से जुड़े ड्रग्स केस की तुलना नेटफ्लिक्स की हिट कोरियन ड्रामा सीरीज स्कविड गेम से की है। उन्होंने पोस्ट पर एक टाइटल- देसी स्कविड गेम शुरू होने दो में उस मार्बल गेम के बारे में बात की जिसमें हर एक प्लेयर को 10-10 मार्बल दिए गए थे। इस केस पर व्ययंग भरे अंदाज में पोस्ट करते हुए ट्विंकल ने सबूत ना मिलने पर भी आर्यन को जेल में रखने की कार्रवाई पर गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने लिखा- हर एक प्लेयर को 10 मार्बल दिए जाते हैं और हर एक को गेम खेलते हुए अपने अपोनेंट से उनकी मार्बल भी छीननी होती हैं। इस एपिसोड में एक मजबूत खिलाड़ी को जबरदस्ती बार्मल खोने पर मजबूर कर दिया जाता है। मुझे लगता है मेरे भी मार्बल खो गए हैं जब मैं शाहरुख खान के बेटे की गिरफ्तारी के बारे में न्यूज पढ़ती हूं। उन्होंने लिखा- बताया जा रहा है कि उसका दोस्त 6 ग्राम चरस लिए हुए था, लेकिन आर्यन खान के पास ऐसी कोई चीज होने का सबूत नहीं है। फिर भी एक लड़के को आर्थर जेल में दो हफ्तों से सड़ाया जा रहा है।

क्या माइशा को है ईशान के बाईसेक्शुअल होने का

बिग बॉस के हर सीजन में कुछ लोग दुश्मन बनकर निकलते हैं तो किसी को प्यार मिल जाता है। इस बार माइशा अय्यर और ईशान सहगल के रोमांस के चर्चे सुर्खियों में हैं। ईशान सबके सामने माइशा को प्रपोज कर चुके हैं। अब दोनों एक-दूसरे के बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं। लेटेस्ट एपिसोड में माइशा और ईशान से उनकी सेक्शुऐलिटी पर सवाल करती हैं। वहीं ईशान ने अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड के बारे में भी बात की। बिग बॉस 15 में नया प्यार परवान चढ़ रहा है। नई जोड़ी है ईशान और माइशा की। इश्क-मोहब्बत के बीच लेटेस्ट एपिसोड में दोनों कुछ सीरियस बातें करते दिखाई दिए। माइशा ईशान से उनके पुराने रिलेशनशिप के बारे में बात करती हैं। दोनों की बातचीत से ऐसा लगता है कि जैसे माइशा को ईशान की सेक्सुऐलिटी पर शक है। ईशान के बारे में उन्होंने ऐसा कुछ सुना था जिस पर वह ईशान से उस रिलेशनशिप के बारे में पूछती हैं। इस पर ईशान सफाई देते हैं कि ये सब अफवाहें थीं। वह सिर्फ काम के लिए उस शख्स के साथ थे। माइशा उनका यकीन नहीं करतीं तो वह पूछते हैं कि क्या सच में माइशा ऐसा समझती हैं कि वह बाईसेक्शुअल हैं। इस पर माइशा कहती हैं कि अगर वह हैं तो कोई दिक्कत नहीं है पर वह सब जानना चाहती हैं। ईशान को थोड़ा अजीब लगता है कि वह उनका यकीन नहीं कर रहीं। वह उन्हें यकीन दिलाने की कोशिश करते हैं कि उनका प्रोफेशनल रिश्ता था और जब उन्हें गड़बड़ लगा तो दूरी बना ली। माइशा और ईशान की नजदीकियां बढ़ती देख सलमान खान ने भी दोनों को समझाने की कोशिश की थी। सलमान ने उनसे कहा था कि दोनों को समझदारी के साथ घर में रहना चाहिए। बिग बॉस हाउस में फराह खान आईं तो उन्होंने भी दोनों का मजाक उड़ाया था।

बिग बॉस 15 में नहीं होगी करण कुंद्रा की एक्स गर्लफ्रेंड अनुषा दांडेकर की एंट्री, एक्ट्रेस ने अफवाहों को किया खारिज

टीवी एक्ट्रेस और वीजे अनुषा दांडेकर ने बिग बॉस 15 में वाइल्ड कार्ड एंट्री की खबरों को खारिज कर दिया है। बता दें कि इससे पहले खबरें थी कि बिग बॉस 15 के घर में अनुषा दांडेकर की एंट्री होने वाली है। खबर थी कि वह शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री लेने के लिए तैयार हैं। इसके बाद शो को लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया था हालांकि अनुषा ने इन खबरों को बकवास करार देते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। अनुषा ने इंस्टा स्टोरी पर लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा- एक बार फिर ये मेरी जिंदगी है, मेरा हैप्पी प्लेस। भगवान के लिए मेरे बारे में न्यूज आर्टिकल में ये बकवास लिखना बंद करें कि मैं बिग बॉस में ड्रामा क्रिएट करने जा रही हूं, जबकि मैं उसका हिस्सा भी नहीं हूं। मैंने अपना सच बता दिया है। अनुषा ने अपने पोस्ट में आगे लिखती हैं जो कुछ भी मैं पोस्ट करती हूं, वो मेरे अतीत के बारे में नहीं, मेरी तरक्की के बारे में है। कृपया एक सेल्फ मेड

वुमन के तौर पर मेरी उपलब्धियों को कम आंकना बंद करें। मैं अपनी जिंदगी की बिग बॉस हूं। मुझे किसी शो में जाकर इस बात का सबूत देने की जरूरत नहीं, इसलिए जो इसे लेकर उत्सुक हैं, वे आराम से सो जाएं। उन सभी का शुक्रिया जो मुझे जीने देते हैं। अनुषा की एंट्री को लेकर दर्शक इसलिए एक्साइटेड थे क्योंकि उनके एक्स बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा शो में हैं और इनदिनों वह तेजस्वी प्रकाश की वजह से खबरों में छाए है, इसलिए भी अनुषा का नाम सुर्खियों में बना हुआ है, लेकिन फैंस को ये जानकर निराशा होगी कि अनुषा ने बिग बॉस का हिस्सा नहीं बनेंगी। एक समय करण कुंद्रा, अनुषा डेट किया करते थे। दोनों ने रियलिटी शो लव स्कूल को भी होस्ट किया था, जहां वे प्यार का पाठ पढ़ाया करते थे। हालांकि ये लव स्टोरी यादा दिन नहीं टिक पाई और इनका ब्रेकअप हो गया। अनुषा ने करण पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था।

खास बातचीत: पिता घनश्याम नायक को याद कर विकास बोले- अस्पताल में एडमिट होने से एक दिन पहले तक उन्होंने तारक मेहता देखा

घनश्याम नायक द्वारा तारक मेहता का उल्टा चश्मा में निभाया गया नट्टू काका का रोल एक ऐसा किरदार था, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। एक साल तक कैंसर से लंबी लड़ाई लड़ने के बाद एक्टर ने 3 अक्टूबर 2021 को मुंबई में आखिरी सांस ली थी। अब हाल ही में दैनिक भास्कर ने घनश्याम नायक के बेटे विकास नायक से बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने अपने पिता के आखिरी दिनों के बारे में विस्तार से बताया है।

पापा कहते थे-जिस दिन मरूंगा, उस दिन मुझे मोक्ष मिल जाएगा

विकास नायक ने कहा, पापा के जाने के बाद शुरूआत के 2-3 दिनों तक हमें समझ ही नहीं आ रहा था कि कैसे क्या करें। पिछले एक साल से हम सभी मिलकर उनकी बिमारी (कैंसर) से लड़ रहे थे। सच कहूं तो पापा हमें हिम्मत देकर गए थे कि इस सिचुएशन में हमें अपने आपको कैसे संभालना है। वो तैयार थे और आखिरी महीनों में बस यही कहते थे- जिस दिन मरूंगा उस दिन मुझे मोक्ष मिल जाएगा। वे बहुत ही पॉजिटिव इंसान थे और हमसे कहते थे कि यदि उन्हें कुछ हो जाए तो हमें रोना नहीं है, हमें दुख नहीं मनाना है। उनका मानना था कि उन्होंने पूरी जिंदगी लोगों को हंसाया है, उनके जाने के बाद कोई रोना नहीं चाहिए।

पापा ने मां और हम सभी को इस सिचुएशन के लिए मेंटली तैयार करके रखा था

विकास आगे कहते हैं, मुझे याद है कि मेरे पापा यदि किसी की बैठक में जाते (मरने के बाद की रीती) थे तो वहां भी वे एनवायरनमेंट लाइवली बनाने की कोशिश करते थे। वहां पर लोग शोक मनाने जाते हैं, लेकिन पापा उनके घरवालों का दुख कम करने और उन्हें हंसाने की कोशिश करते थे। कहीं-न-कहीं मां को भी हमने इस सिचुएशन के लिए तैयार कर लिया था। मेरी मां को मेरे पापा से यादा हेल्थ इश्यू हैं। पिछले 8 सालों से उन्हें अस्थमा की बीमारी है। वो यादा चल भी नहीं पाती हैं। पापा की आखिरी 2 महीने में हालत यादा खराब हो गई थी। ऐसे में पापा ने मां और हम सभी को इस सिचुएशन के लिए मेंटली तैयार करके रखा था। वो मस्ती-मस्ती में कहते थे-मैं नहीं

चाहता की मेरे साथ तुम लोग भी चलो।

पापा 100 साल तक जीना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ

घनश्याम की बीमारी के बारे में विकास कहते हैं, मजाक-मजाक में पापा कहा करते थे कि वे 100 साल तक जीना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जुलाई 2021 में जब हमने रिपोर्ट निकाली थी, तब पता चला कि कैंसर उनके पूरे शरीर में फैल गया है। पिछले साल सितंबर से हमने जितने भी ट्रीटमेंट किए थे वे सभी फेल हो गए। हमने कीमोथेरेपी बंद कर दिया और आयुर्वेदिक-होम्योपैथिक ट्रीटमेंट शुरू कर दिया। हालांकि, कोई असर नहीं हुआ। डॉक्टर ने पापा से कह दिया था कि उनके पास जीने के लिए कुछ महीने भी हो सकते हैं, कुछ साल भी। उन्होंने ये बात बहुत पॉजिटिवली ली। उन्होंने घर आकर मां से कहा कि वे अब काफी संतुष्ट महसूस कर रहे हैं। वे खुश थे कि उनका ट्रीटमेंट बंद हो जाएगा। वे नहीं चाहते थे कि उनकी जिंदगी में ऐसा कोई वक्त आए, जहां उन्हें ट्यूब से खाना-खाना पड़े। लाचारी आने से पहले ही उन्होंने विदाई ले ली।

पिछले 10-12 सालों में हमारी आर्थिक स्थिति काफी संभली

पापा के साथ बिताए पुराने दिनों को याद करते हुए विकास कहते है, मेरी इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए पापा ने पैसे लिए थे और वो इतनी अभिमानी थे कि कभी किसी के पैसे रखे नहीं। जब तक पैसा लौटाते नहीं, उन्हें चैन नहीं पड़ता। पिछले 10-12 सालों में हमारी आर्थिक स्थिति काफी संभली और हमें कभी किसी से पैसे की मदद नहीं मांगनी पड़ी।

घनश्याम नायक के आखिरी दिनों के बारे में विकास कहते हैं, उन्हें म्युजिक का बहुत शौक था। आखिरी के पलों में उन्होंने रेडियो में खूब सारा म्युजिक सुना, यादातर गुजराती गाने। फिर गुजराती शो-रिक्शा राशि वाली देखते। तारक मेहता का अब तक का उन्होंने एक भी एपिसोड मिस नहीं किया। वो शो में नहीं थे इसके बावजूद गणेश चतुर्थी स्पेशल एपिसोड, उन्होंने बैठकर देखा और टीम की मेहनत की खूब तारीफ की। हमने 29 सितंबर को उन्हें अस्पताल में एडमिट किया था, 28 की रात तक उन्होंने तारक मेहता देखा था। शो में खुद को बहुत मिस करते थे और फिर से शो में लौटने की बात कहते रहते थे। वे मेकअप के साथ विदा होना चाहते थे और हमने मेकअप आर्टिस्ट बुलवाकर उनकी ये इछा पूरी की थी।

पापा को डायरी लिखने का शौक था

घनश्याम नायक को डायरी लिखने की आदत थी। उन्होंने अपने आखिरी दिनों में भी अपने विचार उस डायरी में लिखे थे।

इस बारे में विकास कहते हैं, पापा अपनी एक-एक छोटी बात भी डायरी में लिखते थे। सुबह नाश्ते में क्या खाया, दोपहर में किस्से मिले, शाम में मंदिर में पुजारी से मिले, अपनी हर बात लिखते थे। अपनी खुशी व्यक्त करते। बिमारी की वजह से कई बार वे कुछ खा नहीं पाते थे, वो भी उन्होंने लिखा था। उन्हें ब्लैक एंड वाइट फिल्मों का बहुत शौक था। हर दिन वे टीवी पर कुछ न कुछ देखते और रात में तकरीबन 12.30 बजे तक सोते थे। ये बात भी उन्होंने लिखी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

मुख्यमंत्री मेट्रोपोलिटन सिटी में जांच के नाम पर खेल

कैलाशनगर में जांच के नाम पर खेल, सीवर लाइन बिछाने के नाम पर खुदाई, सड़कें-2 बनाने के नाम पर खुदाई

मुख्य अभियंता संजय सक्सेना, ई.ई. सुधीर आर्या, अशोक कुमार, ए.ई. ई-2 ब्लॉक, सुल्तानपुरी व मंगलपुरी को जोड़ने वाले मुख्य पुल निर्माण में लगाकर बेहद घटिया निर्माण सामग्री, पुल में पड़ी दरारें व एक ओर से धंसा,

पुल घोटाला